RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 82 ता. 18 सितम्बर 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

एक राष्ट्र, एक चुनाव कब लागू होगा.....शाह ने बता दिया समय

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल में ही एक राष्ट्र, एक चुनाव को लागू करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के मौके पर शाह ने कहा कि हमारी योजना इस सरकार के कार्यकाल के दौरान ही एक राष्ट्र, एक चुनाव की व्यवस्था लागू करने की है। इस मौके पर शाह के साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की जोरदार वकालत कर कहा था कि बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था, देश को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए आगे आना होगा। एक राष्ट्र, एक चुनाव बीजेपी द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में किए गए प्रमुख वादों में से एक है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने इस साल मार्च में पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की भी सिफारिश की। इसके अलावा, विधि आयोग द्वारा सरकार के सभी तीन स्तरों लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों जैसे नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की संभावना है। वह त्रिशंकु सदन या अविश्वास प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में एकता सरकार का प्रावधान करने की सिफारिश भी कर सकता है।

सिसोदिया के दबाव में आतिशी को मुख्यमंत्री बना रहे : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली । भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी (आप) के आतिशी को नया मुख्यमंत्री चुनने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सचदेवा ने कहा कि मनीष सिसोदिया के दबाव में केजरीवाल को उन्हें मुख्यमंत्री बनाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने से आम आदमी पार्टी का कोई कैरेक्टर नहीं बदलने वाला है। इस पार्टी का कैरेक्टर भ्रष्टाचार है। सचदेवा ने दावा किया कि केजरीवाल किसी और को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। सिसोदिया के दबाव में जिस तरह से उन्होंने कैलाश गहलोत से कई महत्वपूर्ण विभाग छीनकर आतिशी को दे दिए थे, उसी तरह से सिसोदिया के दबाव में ही उन्हें आतिशी को मुख्यमंत्री बनाना पड़ रहा है। महिला मुख्यमंत्री के दांव के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देकर सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में कोई पहली बार महिला मुख्यमंत्री नहीं बन रही है। इससे पहले सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित भी दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। लेकिन आप के नेताओं का सबसे बड़ा गुनाह भ्रष्टाचारी होना है और जहां तक महिला सुरक्षा की बात है, इन्होंने महिला सुरक्षा के नाम पर पैनिक बटन घोटाला किया है और उसका हिस्सा आतिशी भी रही हैं। आतिशी बताएं कि दिल्ली की सड़कों की हालत क्या है? मुंडका से नांगलोई तक के आधे घंटे के सफर में ढाई से तीन घंटे लगते हैं। पूरी दिल्ली के सड़कों की हालत ऐसी ही है। उनके पास शिक्षा विभाग भी है। उनके रहते 9वीं कक्षा के एक लाख और 11वीं कक्षा के 54 हजार बच्चों को इसलिए फेल कर दिया गया क्योंकि इन्हें अपने रिकॉर्ड को ठीक रखना है।

संघ प्रमुख भागवत से मिले राजस्थान के सीएम भजनलाल

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अलवर पहुंच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत से मुलाकात की। दोनों के बीच कई विषयों पर भी चर्चा हुई। संघ प्रमुख भागवत अपने चार दिवसीय प्रवास पर अलवर में हैं। वे शुक्रवार शाम को अलवर पहुंचे थे। भागवत से मुलाकात से पहले सीएम भजनलाल ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। दरअसल, इस समय संघ का सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक अनुशासन इन पांच विषयों पर फोकस है। अपने संबोधन में भागवत ने भी स्वयंसेवकों से इन पांच विषयों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया था। संघ के साथ-साथ केंद्र सरकार भी हिंदू संस्कृति और पर्यावरण के विषय पर जोर दे रही है।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 5 मौत

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। सोमवार देर रात हुए धमाके से आसपास के 6 मकान ढह गए। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मलबे से 11 लोगों को बाहर निकाला गया। 15 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम स्निफर डॉग की मदद से मलबे में तलाश कर रही है कि कहीं कोई और तो नहीं दबा है। सीएम योगी ने मृतकों को परिजनों को 4-4 मुआवजा देने का ऐलान किया है। हादसा रात 10.10 बजे नौशेरा गांव में हुआ। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आबादी के बीच फैक्ट्री चल रही थी, लेकिन आसपास के लोगों को इसका पता नहीं था। हादसे के बाद पहुंची पुलिस टीम को लोगों ने दौड़ा लिया।

मैंने सीजेआई के घर पूजा क्या की.....

कांग्रेस के पूरे ईकोसिस्टम को दिक्कत हो गई : पीएम मोदी

कर्नाटक में कांग्रेस ने भगवान गणेश की प्रतिमा को कैद कर दिया

भुवनेश्वर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अपने जन्मदिन के मौके पर ओडिशा दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने ओडिशा में सुभद्रा योजना की शुरुआत की। इसके अलावा कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सीजेआई के घर जाकर गणेश पूजन में शामिल होने के विवाद पर भी पहली बार बयान दिया है। पीएम मोदी ने भुवनेश्वर में कहा कि मैंने गणेश पूजा में हिस्सा लिया.....कांग्रेस और उसके पूरे ईकोसिस्टम को दिक्कत हो गई।

पीएम मोदी ने कहा, बांटो और राज करो की नीति पर चलने वाले अंग्रेजों की नजरों में उस समय भी गणेश उत्सव खटकता था।

आजादी के इतने सालों बाद आज भी समाज को बांटने और तोड़ने में लगे सत्ता के भूखे लोगों को गणेश पूजा से दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा, आपने देखा होगा कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम के लोग पिछले कुछ दिनों से इसलिए भड़के हुए हैं, क्योंकि मैंने गणपति पूजन में हिस्सा लिया था।

कांग्रेस पर हमलावार पीएम मोदी ने कहा, कर्नाटक में जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां इन लोगों ने और भी बड़ा अपराध किया। इन लोगों ने भगवान गणेश की प्रतिमा को ही सलाखों के पीछे डाल दिया। पूरा देश उन तस्वीरों को देखकर विचलित हो गया।

ये नफरत भरी सोच, समाज में जहर घोलने की मानसिकता हमारे देश के लिए घातक है, इसलिए ऐसी नफरती ताकतों को आगे नहीं बढ़ने देना है। हमें साथ मिलकर कई बड़े मुकाम हासिल करने हैं। हमें ओडिशा को साथ लेकर नई ऊंचाइयों पर जाना है।

बता दें कि पीएम मोदी ने ओडिशा सरकार की महिला केंद्रित योजना 'सुभद्रा' की शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने राज्य में 3,800 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने राज्य में 2,871 करोड़ रुपये की लागत वाली राष्ट्रीय रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। उन्होंने 1,000 करोड़ रुपये की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भी अनावरण किया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

महिला डॉक्टरों की सुरक्षा सरकार का काम

उन्हें नाइट शिफ्ट करने से नहीं रोक सकते; विकीपीडिया ट्रेनी डॉक्टर की तस्वीरें हटाए

कोलकाता।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने महिला डॉक्टरों की नाइट ड्यूटी खत्म करने के फैसले पर बंगाल सरकार को फटकार लगाई। सीजेबाई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि आप कैसे कह सकते हैं कि महिलाएं रात में काम नहीं कर सकतीं? उन्हें कोई रियायत नहीं चाहिए। सरकार का काम उन्हें सुरक्षा देना है। पायलट, सेना जैसे सभी प्रोफेशन में महिलाएं रात में काम करती हैं। कोर्ट ने विकिपीडिया को मृत ट्रेनी डॉक्टर का नाम और तस्वीर हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि रेप पीड़ित की पहचान का खुलासा नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि वह एक हफ्ते के बाद अगली सुनवाई करेगा।

अस्पतालों में पुलिस होनी चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर प्राइवेट एजेंसियों के सुरक्षाकर्मियों की नियुक्त पर भी सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट पर काम रहे लोगों को 7 दिन की ट्रेनिंग दी जाती है और वे पूरे अस्पताल में घूमते हैं। इनके जरिए सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि रेप-मर्डर मामले का मुख्य आरोपी भी एक सिविक वॉलंटियर ही है।

बंगाल में 28 सरकारी अस्पताल हैं। वहां 18-23 साल की युवा डॉक्टर काम कर रही हैं। राज्य के 45 मेडिकल कॉलेजों में लड़कियां 12वीं कक्षा के बाद आती हैं। वे बहुत छोटी हैं। उनमें इंटर्न भी हैं। ऐसे में कॉन्ट्रैक्ट पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती पूरी तरह से असुरक्षित है। सीजेआई ने कहा कि राज्य सरकार को सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में पुलिस बल तैनात करना चाहिए। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भी प्रोग्रेस काफी स्लो है। वहां 415 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने की मंजूरी मिली है, लेकिन अब तक सिर्फ 36 लगे हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 24 सीटों पर आज मतदान

फर्स्ट फेज में महबूबा की बेटी इल्तिजा समेत 219 कैंडिडेट्स, 110 करोड़पति, 36 पर क्रिमिनल केस

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में बुधवार को 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। जिसमें 23.27 लाख वोटर्स शामिल होंगे। फर्स्ट फेज की 24 में से 8 सीटें जम्मू डिवीजन और 16 सीटें कश्मीर घाटी में है। सबसे ज्यादा 7 सीटें अनंतनाग और सबसे कम 2-2 सीटें शोपियां और रामबन जिले की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले फेज में 219 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 9 महिलाएं और 92 निर्दलीय उम्मीदवार हैं। 110 कैंडिडेट्स करोड़पति हैं जबकि 36 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इस फेज में मुफ्ती परिवार का गढ़ रही बिजबेहरा सीट भी है। यहां पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। महबूबा और उनके पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद सीएम रह चुके हैं। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

अनंतनाग की सबसे ज्यादा 7 सीटों पर वोटिंग

पहले फेज में अनंतनाग की 7, पुलवामा की 4, कुलगाम, किश्तवाड़ और डोडा की 3-3, शोपियां और रामबन की 2-2 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। डोडा, रामबान और किश्तवाड़ जिले जम्मू डिवीजन जबकि अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां कश्मीर डिवीजन में आते हैं। पुलवामा की पंपोर सीट पर सबसे ज्यादा 14 कैंडिडेट हैं। वहीं अनंतनाग की बिजबेहरा सीट पर केवल 3 उम्मीदवारों के बीच में चुनावी लड़ाई है।

आतिशी बनी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री.....

विधायक दल की बैठक में नाम पर मोहर

नई दिल्ली ।

दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री आतिशी होंगी। वे दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। वे केजरीवाल कैबिनेट में सबसे प्रमुख मंत्री रही हैं। विधायक दल की बैठक में आतिशी के नाम पर मुहर लगी है। मंगलवार सुबह से आप संयोजक केजरीवाल के सिविल लाइंस स्थित आवास पर विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। इसमें सर्वसम्मति से नए नेता सदन का चुनाव हुआ। आतिशी पंजाबी राजपूत परिवार से ताल्लुक रखती हैं, इतना ही नहीं ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट हैं। आतिशी 2020 के विधानसभा चुनाव में पहली बार विधायक चुनी गई और 2023 में पहली बार केजरीवाल सरकार में मंत्री बनीं। अब सालभर बाद ही 2024 में वे मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं। आतिशी को केजरीवाल का करीबी सहयोगी और विश्वासपात्र माना जाता है। वे अन्ना आंदोलन के समय से संगठन में सक्रिय हैं। वर्तमान में उनके पास सबसे ज्यादा मंत्रालयों की जिम्मेदारी है और जब मार्च में केजरीवाल जेल गए, तब से वे पार्टी से लेकर सरकार तक के मसले पर मोर्चा संभाले देखी गई हैं।

कैसा रहा राजनैतिक सफर

आतिशी साल 2020 में पहली बार कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनीं। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार धर्मवीर सिंह को 11 हजार 393 वोटों से हराया था। आतिशी का जन्म 8 जून 1981 को दिल्ली में हुआ। उनके पिता विजय सिंह दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहे हैं। आतिशी ने स्कूली शिक्षा नई दिल्ली स्प्रिंगडेल स्कूल से की। उन्होंने सेंट स्टीफंस कॉलेज में हिस्ट्री से स्टडी की और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में शेवनिंग स्कॉलरशिप पर मास्टर की डिग्री हासिल की। उन्होंने मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव में सात साल बिताए, जहां वे जैविक खेती और प्रगतिशील शिक्षा प्रणालियों से जुड़ीं। उन्होंने वहां कई गैर-लाभकारी संगठनों के साथ काम किया, जहां उनकी पहली बार आप के कुछ सदस्यों से मुलाकात हुई और वो पार्टी की स्थापना के समय ही शामिल हो गईं।

कर्नाटक में भगवान गणेश की प्रतिमा को पुलिस ने किया जप्त.....हो रही निंदा

बेंगलुरु ।

गणेश उत्सव के बाद कर्नाटक में गणपति के मूर्ति विसर्जन जुलूस पर पथराव की घटना के बाद गणेश प्रतिमा को ही पुलिस ने जब्त कर लिया है। राज्य में पुलिस के एक्शन से इलाके में तनाव पैदा हो गया है। देश में पहली बार ऐसी तस्वीर देखी गई है, जब किसी धार्मिक कार्यक्रम में भगवान की मूर्ति को जब्त किया गया हो। भगवान गणपति हिंदुओं के आराध्य देव हैं। हिंदुओं में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत गणेश वंदना से की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ मराठी भाषी हैं। अपने आवास पर उन्होंने भी श्री गणेश की स्थापना की। भगवान गणेश की आरती में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में शामिल हुए। जिसकी कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी ने आलोचना की थी। तब कांग्रेस, उद्धव ठाकरे गुट सहित कई नेताओं के इस लेकर बयान भी दिए थे। इस बीच कर्नाटक में गणपति बप्पा की प्रतिमा जब्त किए जाने की कड़ी निंदा हो रही है। क्योंकि आज तक किसी भी भगवान की मूर्ति को इस तरह जब्त नहीं किया गया। देश में 2009 में कांग्रेस की सरकार थी। तब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन थे। प्रधानमंत्री मनमोहन ने गवर्नमेंट हाउस में इफ्तार पार्टी की मेजबानी की और इसमें मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हुए थे। पीएम मोदी की गणपति आरती पर आपत्ति जताने वाले कांग्रेसी मनमोहन सिंह और बालाकृष्णन की उस दूसरी पार्टी के बारे में भूल गए। शिंदे गुट के शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि इसका मतलब है कि कांग्रेस के सरकारी आवास पर होने वाली इफ्तार पार्टी की अनुमति है लेकिन गणेश जी की आरती की नहीं। संभाजी ब्रिगेड की हाल ही में संस्था सालगिरह मनाई गई। कार्यक्रम में इस संगठन के संरक्षक शरद पवार और कोल्हापुर से कांग्रेस सांसद शाहू महाराज भी शामिल हुए। इस दौरान भागवत धर्म की ध्वजा लेने वाले वारकरी संप्रदाय के प्रभु श्री रामचन्द्र और करोड़ों आस्थावानों के आराध्य स्थल स्वामी समर्थ की बहुत ही अभद्र भाषा में आलोचना की गई। स्वामी समर्थ को कम कपड़ों वाला व्यक्ति कहा जाता था, लोगों का यह भी कहना है कि उस वक्त शरद पवार और शाहू महाराज ताली बजा रहे थे।

राहुल गांधी के लिए आपत्तिजनक व अशिष्ट बयान देने वालों पर लगाए लगाम

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लेकर बीजेपी नेताओं के बयानों पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा कि मैं आपसे (पीएम) आग्रह करता हूं कि अनुशासन और मर्यादा लांघने वाले ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। ऐसे बयानों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भारत की राजनीति का पतन होने से रोका जा सके। पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्होंने लिखा कि आप अवगत होंगे कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ़ बहुत ही आपत्तिजनक, हिंसक और अशिष्ट बयान दिए जा रहे हैं जो निंदनीय हैं।

खड़गे ने आगे लिखा कि मुझे बड़े दुखी मन से कहना पड़ रहा है कि बीजेपी और आपके सहयोगी दलों के नेताओं ने जिस हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया है, वह भविष्य के लिए घातक है। दुनिया हैरान है कि केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री, बीजेपी शासित यूपी के मंत्री, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को नंबर एक आतंकवादी कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में आपकी सरकार में सहयोगी दल का एक विधायक, नेता प्रतिपक्ष की जुबान काट कर लाने वाले को 11 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान कर रहा है। दिल्ली में एक बीजेपी नेता और पूर्व विधायक, उनका हश्र दादी जैसा करने की धमकी दे रहा है। उन्होंने लिखा कि भारतीय संस्कृति अहिंसा, से द्भाव और प्रेम के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। इन बिंदुओं को हमारे नायकों ने राजनीति में मानक के रूप में स्थापित किया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी ने अंग्रेजों के राज में ही इन मानकों को राजनीति का अहम हिस्सा बना दिया था। आजादी के बाद संसदीय परिधि में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच सम्मानजनक अहसमतियों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसने भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को बढ़ाने का काम किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस के करोड़ों कार्यकर्ता और नेता इस बात को लेकर चिंतित हैं। क्योंकि ऐसी घृणा फैलाने वाली शक्तियों के चलते महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, और राजीव गांधी को शहादत देनी पड़ी है। सत्ताधारी दल का यह राजनीतिक व्यवहार लोकतांत्रिक इतिहास का अशिष्टतम उदाहरण है। उन्होंने पीएम मोदी से अनुरोध और अपेक्षा की है कि वह अपने नेताओं पर अनुशासन और मर्यादा का अंकुश लगाएंगे। उनसे उचित

आचरण का निर्देश दें। ऐसे बयानों के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भारतीय राजनीति का पतन होने से रोका जा सके। कोई अनहोनी न हो। मैं भरोसा करता हूं कि आप इन नेताओं को हिंसक बयानों को तत्काल रोकने के बारे में अपेक्षित कार्यवाही करेंगे।

हरियाणा में जाट का दबदबा, नाराजगी बीजेपी का बिगाड़ेगी खेल

- 37 विधानसभा सीटों पर जाट करता है उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

चंडीगढ़।

हरियाणा में सत्तारूढ़ पर काबिज बीजेपी को कांग्रेस से कड़ी चुनौती मिल रही है। इसके अलावा इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) जैसे छोटे दल अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने मौके का फायदा उठा रहे हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी भी चुनाव में मौका तलाश रही है। हालांकि, सभी पार्टियों को कहीं ना कहीं जाट वोट को साधने की कोशिश करनी पड़ रही है। इसका सबसे बड़ा कारण ये है कि हरियाणा में ज्यादातर सीटों पर जाट का दबदबा है और वह सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

जाट समुदाय बीजेपी से नाराज है। इसकी वजह भारतीय सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना, किसानों का विरोध और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध का खराब प्रबंधन है। जाट बीजेपी से इसलिए भी नाराज हैं क्योंकि भगवा पार्टी ने मनोहर लाल खट्टर की जगह किसी जाट को सीएम नहीं बनाया।

कांग्रेस नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा का जाट समुदाय कांग्रेस का समर्थन करता हैं, जबकि राज्य में मुस्लिम मतदाता भी कांग्रेस को ही वोट देंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मतदाता बीजेपी की गलत नीतियों से आहत हैं और कांग्रेस के पक्ष में खड़े हैं। जाट कांग्रेस का समर्थन करते हैं लेकिन दूसरी पार्टियों में भी जाट हैं। हरियाणा में पांच फीसदी मुस्लिम वोटर हैं जो कांग्रेस को वोट देंगे क्योंकि बीजेपी उनके खिलाफ नफरत की बात करती है। यह कहना ठीक नहीं है कि जाटों और गैर-जाटों के बीच लड़ाई है।

हरियाणा में, जाट राज्य की आबादी का करीब 22-27 फीसदी हैं। हरियाणा में 37 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें जाट समुदाय उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करता है। इनमें से 22 सीटें जाटलैंड, आठ बागड़ी, चार जीटी रोड बेल्ट और तीन सीटें ब्रज में हैं। जाट प्रभुत्व वाली 37 सीटों में से कुल 30 सीटें रोहतक और हिसार में हैं। इन सीटों पर हरियाणा विधानसभा की 40 फीसदी सीटें हैं, जिससे जाट समुदाय हरियाणा चुनावों में प्रभावशाली माना जाता है। अपने खिलाफ जाटों की नाराजगी के कारण बीजेपी ने इस साल गैर-जाट उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

2024 में, बीजेपी द्वारा मैदान में उतारे गए जाट उम्मीदवारों की कुल संख्या 16 है, जो 2019 में 19 उम्मीदवार और 2014 में 24 उम्मीदवार से कम है। बीजेपी ने अपनी हरियाणा रणनीति को ओबीसी मतदाताओं पर जीत हासिल करने पर केंद्रित किया है, जो राज्य की मतदान आबादी का करीब 30 फीसदी है, जबकि जाटों की संख्या 22-27 फीसदी और अनुसूचित जाति (एससी) की करीब 20 फीसदी है। अब चुनाव में देखना होगा कि ऊंट किस करवट बैठता है।

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने आईआईटी मुंबई को दिया 130 करोड़ का दान, स्थापित किया जाएगा विश्वस्तरीय नॉलेज सेंटर

मुंबई।

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने आईआईटी मुंबई को 130 करोड़ रुपये का दान दिया है। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के साथ यह ऐतिहासिक सहयोग अब आईआईटी मुंबई में एक विश्व स्तरीय शैक्षिक बुनियादी ढांचा स्थापित करने में मदद करेगा। इसे राष्ट्र निर्माण और आर्थिक क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने 130 करोड़ का यह दान एक संकल्प के माध्यम से दिया है। इसे एमओएफएसएल के सह-संस्थापक मोतीलाल ओसवाल और रामदेव अग्रवाल द्वारा स्थापित फाउंडेशन की ओर से दिया गया अब तक का सबसे बड़ा दान कहा जा रहा है। इसमें मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की 10 प्रतिशत इक्विटी शामिल है, जिसका मूल्य वर्तमान में 4,000 करोड़ रुपये है। इसे भारतीय शिक्षण संस्थान के लिए एक बड़ा योगदान माना जा रहा है। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन और आईआईटी बॉम्बे के बीच इस एमओयू के तहत आईआईटी बॉम्बे के परिसर में 1.2 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में मोतीलाल ओसवाल नॉलेज सेंटर स्थापित किया जाएगा। यह अत्याधुनिक शैक्षिक परियोजना नवाचार और अनुसंधान के केंद्र के रूप में कार्य करेगी और अकादमिक उत्कृष्टता, उन्नत प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से, मोतीलाल ओसवाल नॉलेज सेंटर के माध्यम से आईआईटी मुंबई विश्व स्तरीय प्रतिभा तैयार करेगा और उसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में और सशक्त बनाएगा। इस बीच भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी के मद्देनजर आईआईटी मुंबई में मोतीलाल ओसवाल सेंटर फॉर कैपिटल मार्केट्स की कल्पना भारतीय वित्तीय क्षेत्र के विकास और विकास को सक्षम करने के लिए उच्च स्तरीय क्षमताओं के निर्माण के उद्देश्य से की गई है। यह बहु-विषयक अर्थशास्त्र, प्रबंधन, संचालन अनुसंधान, कंप्यूटर विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और गणित जैसे क्षेत्रों से विशेषज्ञता प्राप्त करेगा। एमओसीएम ने स्नातक, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई शैक्षणिक कार्यक्रम पेश करने की योजना बनाई है। केंद्र ने एक ऑनलाइन पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा की भी परिकल्पना की है। यह माध्यम छात्रों को वास्तविक दुनिया के डेटा के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और वित्तीय क्षेत्र के भविष्य को आकार देने का अवसर प्रदान करता है।

झारखंड में 20 सितंबर से शुरू होगी भाजपा की परिवर्तन यात्रा

राज्य में आदिवासी कम हुए, मुस्लिम आबादी बढ़ी

रांची ।

झारखंड बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने 20 सितंबर से शुरू होने वाली परिवर्तन यात्रा की जानकारी दी। भाजपा नेता मरांडी ने यात्रा का उद्देश्य बताकर कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य वर्तमान हेमंत सरकार से पिछले पांच वर्षों का हिसाब लेना है। उन्होंने यात्रा को बेटी, रोटी, माटी की रक्षा, युवाओं के भविष्य और झारखंड में परिवर्तन लाने के संकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। मरांडी ने कहा कि यह परिवर्तन यात्रा सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी और छह सांगठनिक प्रमंडलों में आयोजित होगी। 20 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच, बीजेपी की परिवर्तन यात्रा कुल 5400 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा के दौरान 80 स्वागत कार्यक्रम और 65 सार्वजनिक रैलियां होगी।

हेमंत सरकार पर निशाना साधकर मरांडी ने कहा कि बीते पांच वर्षों में ठगबंधन सरकार ने झारखंड की स्वाभिमान, अस्मिता और पहचान को गंभीर चोट पहुंचाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार ने झारखंड को भ्रष्टाचार, लूट और खसोट के लिए बदनाम किया है। झारखंड की पहचान अब न केवल खान और खनिज संसाधनों की लूट से, बल्कि केंद्र की नल जल योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने के लिए हो गई है।

मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की संरक्षक बनी है, जिससे राज्य की जनसंख्या संरचना में अप्रत्याशित बदलाव आया है। आदिवासी आबादी तेजी से कम हुई है, जबकि मुस्लिम आबादी बढ़ी है।

परिवर्तन यात्रा के माध्यम से जनता सोरेन से जवाब मांगने वाली है। यह यात्रा बीजेपी के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक मौके के रूप में देखी जा रही है, जिसका उद्देश्य राज्य की मौजूदा सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाना और आगामी चुनावों के लिए एक मजबूत जनसमर्थन जुटाना है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका, नहीं मिल पाया स्टे

मथुरा ।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका पर स्टे नहीं दिया। मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- मुस्लिम पक्ष गलत तरीके से सुप्रीम कोर्ट गया। हमारी तरफ से ऑब्जेक्शन दाखिल किया गया था। पहले इनको (मुस्लिम पक्ष) हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल करनी चाहिए थी।

सुप्रीम कोर्ट में 4 नवंबर को मामले में सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा- इस दौरान मुस्लिम पक्ष चाहे तो हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल कर सकता है। दरअसल, 1 अगस्त को हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़ी हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था। कोर्ट का कहना था कि सभी याचिकाएं एक नेचर की हैं। एक साथ सुनी जाएंगी। हालांकि, मुस्लिम पक्ष का तर्क था कि हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनने योग्य नहीं है। ऐसे में मुस्लिम पक्ष ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद 6 अगस्त को हिंदू पक्ष ने कैविएट दाखिल की थी। कहा था कि हमें सुने बिना मुस्लिम पक्ष की अर्जी पर एकतरफा आदेश न दें। आज याचिका पर पहली बार सुनवाई हुई।

सुप्रीम कोर्ट का सुप्रीम आदेश- हमारी इजाजत के बिना देश में नहीं चलेगा बुलडोजर

नई दिल्ली।

देशभर में अपराधियों और अन्य मामलों में प्रशासन द्वारा की जा रही बुलडोजर एक्शन कार्रवाइयों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक देश में कहीं भी बुलडोजर की कार्रवाई नहीं की जाएगी। शीर्ष अदालत इस संबंध में दिशा निर्देश जारी करेगा। देश के सभी राज्यों को कोर्ट के निर्देशों का पालन करना होगा। बुलडोजर एक्शन के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट अब एक अक्टूबर को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई के महिमा मंडन पर भी सवाल खड़ा किया। कोर्ट ने कहा यह रूकना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि अगली सुनवाई तक हमारी अनुमति से ही एक्शन लें। कोर्ट ने साफ कहा कि सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन पर किए गए अवैध निर्माण पर यह निर्देश लागू नहीं होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि हर रोज तोड़फोड़ की जा रही है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि 2022 में नोटिस दिया गया और उसके बाद कार्रवाई की गई। इस बीच अपराध भी हुए हैं। जस्टिस गवई ने कहा कि जब 2022 में नोटिस जारी किए गए थे तो 2024 में जल्दबाजी क्यों? राज्य सरकार को सूचित किया जाए। जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि मैं साफ कर दूं कि हमारे निर्देश होंगे। इन्हें गाइडलाइन कहा जा रहा है। अगली तारीख तक कोर्ट की अनुमति के बिना कहीं भी बुल्डोजर या तोड़फोड़ पर रोक लगाई जाए। जस्टिस जे गवई ने कहा कि हमने साफक कर दिया है कि हम अनधिकृत निर्माण के बीच में नहीं आएंगे, लेकिन कार्यपालिका न्यायाधीश नहीं हो सकती।

स्वाति मालीवाल ने दिल्ली सीएम को लेकर दागे सवाल, आप ने मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की जगह आम आदमी पार्टी (आप) का आतिशी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। केजरीवाल के आतिशी को सीएम बनाने के फैसले पर आप सांसद स्वाति मालीवाल ने सवाल खड़े कर दिए हैं। अब आप ने स्वाति मालीवाल से इस्तीफा मांगा है। आप नेता दिलीप पांडे ने कहा कि एक बात समझ लीजिए। स्वाति मालीवाल वह हैं जो राज्यसभा का टिकट तो आम आदमी पार्टी से लेती हैं लेकिन प्रतिक्रिया देने की स्क्रिप्ट बीजेपी से लिखवाती हैं।

दिलीप पांडे ने कहा कि अगर उनमें थोड़ी भी शर्म बाकी है तो उन्हें राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और बीजेपी के टिकट पर राज्यसभा जाना चाहिए। इससे पहले आप सांसद स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के फैसले पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के लिए आज बहुत दुखद दिन है। उन्होंने आगे लिखा कि आज दिल्ली की सीएम एक ऐसी महिला को बनाया जा रहा है जिनके परिवार ने आतंकवादी अफ़ज़ल गुरु को फांसी से बचाने की लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने दावा किया कि उनके माता-पिता ने आतंकी अफ़ज़ल गुरु को बचाने के लिए राष्ट्रपति से दया याचिकाएं की थी। उनके हिसाब से अफ़ज़ल गुरु निर्दोष था और उसको राजनीतिक साज़िश के तहत फंसाया गया था। उन्होंने कहा कि वैसे तो आतिशी मार्लेना सिर्फ़ डमी सीएम है, फिर भी ये मुद्दा देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। भगवान दिल्ली की रक्षा करे! आतिशी को आप विधायक दल का नेता और दिल्ली का नया सीएम चुने जाने के बाद दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आज दिल्ली आप विधायक दल की बैठक बुलाई गई। बैठक में सर्वसम्मति से आतिशी को अगले दिल्ली चुनाव तक सीएम की जिम्मेदारी दी गई है। विपरीत परिस्थितियों में हमें यह जिम्मेदारी देनी पड़ी। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से केंद्र की बीजेपी सरकार और बीजेपी ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने की साजिश रची और एजेंसियों का दुरुपयोग किया। जिस तरह से देश में सरकारें गिराई गईं, उसी तरह दिल्ली सरकार को भी गिराने की कोशिश की गई लेकिन इसमें वह सफल नहीं हुए और न ही होंगे। हमारी एकता ही हमारी ताकत है।

प्रवासियों को लेकर डरे हुए अमेरिका और पश्चिमी देश.....ऑस्ट्रेलिया दे रहा निमंत्रण

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारतीयों के लिए वीजा की नई श्रेणी खोल दी। माइग्रेशन अमेंडमेंट इंस्ट्रूमेंट के तहत हुए बदलाव में भारतीय ऑस्ट्रेलिया जाकर छुट्टियां मनाते हुए साथ में काम भी कर सकते है। हर साल ये 1000 भारतीय युवाओं को मिलेगा। एक ओर पश्चिमी देश घुसपैठ और प्रवासियों को लेकर डरे हुए हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया का बैकपैकर वीजा युवाओं को एंट्री दे रहा है।

ऑस्ट्रेलिया-इंडिया इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड ट्रेड एग्रीमेंट के तहत ये फैसला हुआ। यह समझौता 2022 के आखिर में लागू हुआ था। इसके तहत ऑस्ट्रेलियाई एक्सपोर्ट पर 80 फीसदी तक शुल्क खत्म कर दिया गया। इसका मकसद दोनों देशों के रिश्ते मजबूत करना और कल्चरल एक्सचेंज है। यानी युवा वहां जाकर स्थानीय परंपराओं-कल्चर को देख सकें। ट्रैवल करते हुए वे अस्थायी तौर पर काम भी कर सकते हैं ताकि रोजाना के खर्चे निकाल सकें।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार के मुताबिक, इसमें भारत को सबक्लास 462 (वर्क एंड हॉलीडे) वीजा कार्यक्रम में शामिल किया गया है। भारत के साथ-साथ चीन और वियतनाम को भी लिस्ट में नया-नया जोड़ा गया है। साथ ही फिलीपींस, इंडोनेशिया, थाइलैंड और मलेशिया भी इसमें शामिल हैं।

माइग्रेशन एक्ट में हुए संशोधन के साथ ही 18 से 30 साल के भारतीय पासपोर्ट-धारक ऑस्ट्रेलिया जाकर घूमते हुए काम करने के लिए योग्य हैं।

लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी। जैसे उन्हें कामचलाऊ अंग्रेजी आनी चाहिए। साथ ही सेहतमंद हों और कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड न हो। बदलाव की सबसे खास बात ये है कि भारत से आने वाले आवेदकों को अपनी सरकार के सपोर्ट का सबूत नहीं देना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई गृह मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय नागरिकों के लिए एक लॉटरी सिस्टम होगा। इसके बाद लॉटरी से चुना जाएगा कि हर साल किन 1000 लोगों को ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका मिलेगा।

इन दिनों अमेरिका से लेकर तमाम पश्चिमी देश इमिग्रेंट्स का मुद्दा उठा रहे हैं। उनका कहना है कि प्रवासियों की बढ़ती आबादी से उनकी खुद की पहचान खत्म हो रही है। रिसोर्सेस के बंटवारे पर भी स्थानीय नाराज हैं, वहीं इस हाई टाइम पर ऑस्ट्रेलिया उदार वीजा पॉलिसी बना रहा है।

इस देश में करीब 75 लाख प्रवासी हैं, जिनमें करीब 8 लाख भारतीय ही हैं। ये स्किल्ड लेबर और कामगार दोनों ही हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया की इकनॉमी को मदद मिलती रही। लेकिन यहां भी अवैध घुसपैठ हो रही है। वहां डिपार्टमेंट ऑफ होम अफेयर्स के मुताबिक, 1 लाख से ज्यादा लोग अवैध तौर पर रह रहे हैं। साल 2018 में इनकी संख्या 60 हजार के आसपास थी।यानी ऑस्ट्रेलिया भी इससे बचा हुआ नहीं।

संक्षिप्त समाचार

21 घंटे देरी से पहुंची ट्रेन, कोर्ट ने 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

मुंबई। ट्रेन के 21 घंटे लेट होने पर उपभोक्ता फोरम द्वारा सीधे रेलवे पर ही 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाने की बात सामने आई है। दरअसल ट्रेन जब 21 घंटे देरी से पहुंची तो यात्री जिला उपभोक्ता फोरम पहुंच गया। उपभोक्ता फोरम ने रेलवे पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के वाशिम जिले के रहने वाले एक शख्स ने पिछले साल वाशिम से जम्मू जाने के लिए हमसफर ट्रेन का टिकट बुक कराया था। प्रस्थान टिकट के साथ-साथ उन्होंने वापसी यात्रा के लिए भी रिटर्न टिकट बुक करा लिया था। यह ट्रेन 27 अक्टूबर 2023 को दोपहर 1.30 बजे रवाना होने वाली थी। फिर 28 अक्टूबर 2023 को रात 11.05 बजे ट्रेन को जम्मू पहुंचना था। लेकिन यह ट्रेन सात घंटे देरी से वाशिम पहुंची। फिर 14 घंटे देरी से जम्मू पहुंचीं। यानी ये ट्रेन 21 घंटे लेट हो गई। ऐसे में इस शख्स को वाशिम स्टेशन पर सात घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

- कोर्ट ने जुर्माना लगाया

जम्मू पहुंचने में ट्रेन को 21 घंटे देर हो गई। शिकायत में कहा गया है कि इसके कारण इस व्यक्ति की यात्रा योजना विफल हो गयी। उन्होंने शिकायत की कि वह योजना के अनुसार जम्मू की यात्रा नहीं कर सके। इस याचिका पर वाशिम के जिला आयोग ने एक खास फैसला लिया है। क्योंकि रेलवे ने जिला आयोग के नोटिस का जवाब नहीं दिया था। इसके चलते आदेश में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने भारतीय रेलवे को 21 घंटे की देरी के लिए यात्री को मुआवजे के तौर पर 20 हजार रुपये देने का निर्देश दिया।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर भावपूर्ण विदाई दी

अहमदाबाद . प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा पूर्ण कर मंगलवार सुबह भुवेनश्वर के लिए रवाना हो गए। राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री को भावपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर प्रोटोकॉल मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव राज कुमार, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अपर मुख्य सचिव कमल दयाणी, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक, मेजर जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद जिला कलेक्टर सुश्री प्रवीणा डी. के., उप मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी संकेत सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारियों व अफसरों ने भी प्रधानमंत्री को भावपूर्ण विदाई दी। पीएम मोदी के गुजरात के दौरे को लेकर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट किया. जिसमें उन्होंने लिखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात यात्रा एक यादगार बन गई। अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो रेल, भुज-अहमदाबाद नमो भारत रैपिड रेल, आरई-इन्वेस्ट 2024 का शुभारंभ, लाभार्थियों को आवास वितरण सहित विभिन्न परियोजनाएं गुजरात के लोगों के लिए अनोखी सौगात बन गईं। गुजरात दौरे के बाद अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पीएम मोदी को विदाई दी गई।

बहराइच में लंगड़ा सरदार को पकड़ने में जुटा पूरा वन विभाग का आमला

बहराइच । उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भेड़िये का आतंक लगातार बढ़ रहा है। बीती रात, पुरवा गांव में राम किशन की बकरी पर एक भेड़िये ने हमला कर दिया, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। यह घटना उस स्थल के नजदीक हुई जहां हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ था। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और भेड़िये की पहचान के लिए ड्रोन का उपयोग किया। ड्रोन की सहायता से भेड़िये की मौजूदगी की पुष्टि हुई, लेकिन वह टीम के पहुंचने से पहले ही भाग निकला। प्रभागीय वनाधिकारी ने कहा कि अंधेरे का लाभ उठाकर भेड़िया फरार हो गया, हालांकि विभाग ने त्वरित कार्रवाई की थी। उन्होंने बताया कि दिन के समय की स्थिति में भेड़िये को पकड़ना आसान हो सकता था। वर्तमान में बहराइच में कुल छह भेड़िये सक्रिय हैं। पांच भेड़ियों को पकड़ा जा चुका है, लेकिन छठा भेड़िया, जिसे लंगड़ा सरदार कहा जा रहा है, अत्यंत चालाक साबित हो रहा है। वन विभाग ने इस पकड़ने के लिए नई रणनीतियों पर काम करना शुरू कर दिया है। विभाग ने मादा भेड़िये की करुणा भरी आवाज को लाउडस्पीकर के माध्यम से प्रभावित इलाकों में बजाना शुरू किया है, ताकि भेड़िया उस आवाज की ओर आकर्षित हो सके। लेकिन भेड़िया इन प्रयासों को पहचान कर भाग जा रहा है। वन विभाग की टीमें अभी भी सक्रिय हैं और हर संभव प्रयास कर रही हैं ताकि छठे भेड़िये को जल्दी पकड़ा जा सके।

देश की पहली नमो भारत रैपिड ट्रेन की नियमित सेवा शुरू, 5 घंटे में पहुंचे अहमदाबाद से भुज

अहमदाबाद.

गुजरात में देश की पहली नमो भारत रैपिड रेल की नियमित सेवा का आज से प्रारंभ हो गया है. सप्ताह में पांच दिन चलनेवाली इस ट्रेन कोप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद से वर्चुअली जुड़कर इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. चूंकि पहले दिन यात्रा मुफ्त थी, इसलिए कच्छ के कुछ यात्रियों ने इसका फायदा उठाया। रेलवे विभाग ने आज देश की पहली नमो भारत रैपिड ट्रेन के शुभारंभ पर कच्छ के पर्यटकों के लिए मुफ्त यात्रा की व्यवस्था की।

जिसमें कई लोग भुज से गांधीधाम और कई लोग अहमदाबाद तक की यात्रा के लिए इस नई ट्रेन का लाभ लेने पहुंचे और ट्रेन में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं को देखकर प्रभावित भी हुए. कच्छ के सांसद विनोद चावड़ा भी कच्छ के लिए अधिकतम ट्रेनें लाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे हैं। आज कच्छवासियों को नई मेट्रो ट्रेन मिल गई। इस मुद्दे पर सांसद विनोद चावड़ा ने कहा कि आज देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन कच्छ पहुंच रही है, जिसका नाम अब से नमो भारत रैपिड ट्रेन भी है, जो देश और कच्छ के लोगों के लिए खुशी की बात है. यह ट्रेन 5 घंटे में अहमदाबाद से भुज और भुज से अहमदाबाद पहुंच जाएगी। यह ट्रेन कई सुविधाओं से लैस है और इसमें 1150 तक यात्री सफर कर सकेंगे. आपको बता दें कि यह ट्रेन मुंबई से भी जुड़ी हुई है, सुबह अहमदाबाद पहुंचने के बाद लोग अहमदाबाद से दोपहर में वंदे भारत एक्सप्रेस से मुंबई की यात्रा कर सकते हैं और रात में मुंबई पहुंच सकते हैं। यह ट्रेन कच्छ के छात्रों के साथ-साथ अन्य प्रांतों के लोगों के लिए भी बहुत उपयोगी होगी।

न्यूयॉर्क में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ पर भड़का भारत कहा- ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मेलविल में एक मंदिर में हुई तोड़फोड़ को लेकर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वायरल वीडियो पर भारत सरकार ने संज्ञान लिया और कहा कि भारत के लिए इस तरह की घटनाएं अस्वीकार्य हैं।न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'न्यूयॉर्क के मेलविले में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के पास संकेतक बोर्ड को विरूपित किये जाने की घटना अस्वीकार्य है।' पोस्ट में कहा गया कि वाणिज्य दूतावास 'समुदाय के संपर्क में हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया गया है।' अमेरिका में बीएपीएस स्वामिनारायण मंदिर में तोड़फोड़ का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। इस मामले की जांच जारी है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस कोशिश में लगी हुई है। मेलविले, लॉन्ग आइलैंड के सफ़ोल्क काउंटी में स्थित है और नासाऊ वेटरन्स मेमोरियल कोलिज़ीयम से लगभग 28 किलोमीटर दूर है, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 सितंबर को सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं। सोशल मीडिया पर सामने आई फुटेज के अनुसार, मंदिर के बाहर सड़क और प्रतीक चिह्नों पर स्प्रे पेंट से आपत्तिजनक शब्द लिखे गए। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि न्याय विभाग और गृह सुरक्षा विभाग को इस घटना की जांच करनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा, उन लोगों की कायरता के बारे में समझना मुश्किल है, जो एक निर्वाचित नेता के प्रति गुस्सा दिखाने के लिए हिंदू मंदिर पर हमला करते हैं।

चीन में भी मनाया जाता है फसल की कटाई का उत्सव, तीन हजार सालों से मना रहे मूमकेक पर्व, चंद्रमा को देख मानते हैं मनोकामना

बीजिंग । चीन में एक त्यौहार जो तीन हजार सालों से मनाया जा रहा है जिसका नाम है मूनकेक पर्व। जिसे चीनी भाषा में जूंचियो भी कहा जाता है, यह एक ऐसा त्योहार है जो सदियों से चंद्रमा की पूजा और परिवार के साथ समय बिताने का प्रतीक है। यह त्योहार चंद्र कैलेंडर के आठवें महीने के पंद्रहवें दिन मनाया जाता है, जब चंद्रमा पूर्ण होता है। इस त्योहार की जड़ें बहुत गहरी हैं। माना जाता है कि यह परंपरा शैंग राजवंश के समय से चली आ रही है, जो 1600-1046 ईसा पूर्व के बीच शासन करता था। उस समय इसे फसल काटने के उत्सव के रूप में मनाया जाता था, जो कृषि प्रधान समाज के लिए एक अहम घटना थी। इस साल ये 17 सितंबर को फसल की कटाई के उपलक्ष में इस त्योहार को मनाया जाता है। चीन में चंद्रमा को हमेशा ही देवीय शक्ति माना है। लोग मानते हैं कि चंद्रमा और पानी मानव के कायाकल्प से जुड़े हैं। चंद्रमा की पूजा करने से शरीर सदा युवा बना रहता है, ऐसा माना जाता था। चंद्रमा और सूर्य को जोड़ा माना जाता था और सितारे इनकी संतान हैं। मूनकेक इस त्योहार का सबसे अहम पार्ट है। यह गोल आकार का केक चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करता है और इसे मीठी चीजें, अंडे का यॉक, मीट और गुलाब के बीजों से बने पेस्ट भरकर बनाया जाता है। मूनकेक न केवल टेस्टी होता है, बल्कि यह परिवार और दोस्तों के बीच एकता बनाए रखने का प्रतीक भी है। इस त्योहार पर लोग लालटेन लेकर रोशनी करते हैं। यह रोशनी सुख-समृद्धि और उज्जवल भविष्य की कामना का प्रतीक है। लोग इकट्ठा होकर चंद्रमा को निहारते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। आज भी चीन समेत कई एशियाई देशों में मूनकेक पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार न केवल पारंपरिक मूल्यों को जीवित रखता है, बल्कि परिवार और समुदाय के बीच बंधन को मजबूत भी करता है। बता दें मूनकेक अलग-अलग स्वादों में उपलब्ध होते हैं, जैसे कि लाल बीन्स, लोटस सीड पेस्ट, और चॉकलेट। अलग-अलग आकारों और रंगों की लालटेनें इस त्योहार का एक अहम हिस्सा हैं। मूनकेक पर्व से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं, जो इस त्योहार को और अधिक रोचक बनाती हैं।

भारत से हथियार खरीद रहा आर्मेनिया, अब तक 2 अरब डॉलर की डील

येरेवान। अजरबैजान के हमले का सामना कर रहा आर्मेनिया अब भारत से हथियार खरीद का समझौता कर रहा है। यह समझौता 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। भारत अब आर्मेनिया को हथियार देने वाला देश बन गया है। आर्मेनिया ने साल 2020 में भारत से आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा था। इस हथियार समझौते में लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपें और अस्त्र एयर टु एयर मिसाइल शामिल हैं। आर्मेनिया चाहता है कि भारत उसके सुखोई 30 विमानों को अपग्रेड करे जिसे उसने रूस से खरीदा था। इन सुखोई विमानों में ही अस्त्र मिसाइल को लगाया जाना है। नगोर्नो कराबाख पर कब्जा करने के बाद भी अजरबैजान की सेना लगातार आर्मेनिय पर हमले कर रही है। अब तक आर्मेनिया रूस से हथियार खरीदता था लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद उसे मास्को से हथियारों की सप्लाई बंद हो गई है। इससे आर्मेनिया ने भारत से हथियार खरीदने के लिए समझौता किया है। विश्लेषकों का कहना है कि इससे भारत की दक्षिणी काकेकस इलाके में पकड़ मजबूत हुई है। भारत इस इलाके में अब तुर्किए और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कर सकता है। साथ ही भारत की यूरोपीय और यूरेशियाई देशों में स्थिति मजबूत हो रही है। एक रिपोर्ट बताया गया है कि आर्मेनिया को इस साल के आखिर तक आकाश-1 एस एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मिल जाएगा। आर्मेनिया ने 2022 में 15 आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए समझौता किया था। यह पूरी डील 72 करोड़ डॉलर की थी। आर्मेनिया आकाश सिस्टम को खरीदने वाला पहला विदेशी खरीदार देश है। पिछले चार साल से आर्मेनिया भारत से सबसे ज्यादा हथियारों का आयात करने वाला देश बना हुआ है। आकाश के अलावा पिनाका सिस्टम के लिए भी आर्मेनिया ने भारत के साथ समझौता किया है। आर्मेनिया ने साल 2024-25 में अब तक 60 करोड़ डॉलर के हथियारों की डील की है। भारत आर्मेनिया को तोप, एंटी टैंक रॉकेट और एंटी ड्रोन उपकरणों की सप्लाई कर रहा है। यह रक्षा समझौते इस बात को दिखाते हैं कि भारत और आर्मेनिया क्षेत्रीय गठबंधन को नया आकार देना चाहते हैं।

चीन में आया बेबिनका तूफान, लाखों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

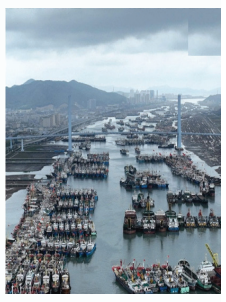

बीजिंग। भारी बारिश के बाद की मार झेल चुके चीन में बेबिनका तूफ़ान ने दस्तक दे दी है। यह तूफान सोमवार को शंघाई के तटीय इलाके से टकराया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पिछले 75 सालों में शंघाई से टकराने वाला सबसे भीषण तूफ़ान है। इस तूफ़ान से लोगों को बचाने शंघाई में हज़ारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चीन के मौसम विभाग ने बताया कि बेबिनका तूफ़ान सोमवार सुबह स्थानीय समयनुसार के मुताबिक करीब साढ़े सात बजे शंघाई के तटीय इलाके लिनगैंग से टकराया। सावधानी बरते हुए रविवार की शाम को ही करीब चार लाख से ज़्यादा लोगों को महानगर इलाके से बाहर निकाल लिया गया था। इसके अलावा चोनगामिंग ज़िले से भी नौ हज़ार लोगों सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। चोनगामिंग यांग्से नदी के किनारे पर स्थित द्वीप है जो शंघाई का ही एक हिस्सा है। इस तूफ़ान की वजह से चीन में सैकड़ों हवाई उड़ानों को भी रद्द कर दिया गया है। तूफ़ान के खतरे को देखते हुए कई हाईवे भी बंद कर दिए गए हैं।

जापान में एक मिसाइल को लेकर जाती हुई वारशिप। ये रुस और चीन की नौसेना के साथ संयुक्त अभ्यास के दौरान दागी गयी।

गोल्फ कोर्स के बाहर 12 घंटे डटा रहा आरोपी राउथ... डोनाल्ड ट्रंप के इंतजार में

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के मामले का आरोपी ने पूरी योजना बनाई थी। आरोपी फ्लोरिडा में गोल्फ कोर्स के बाहर अपनी राइफल और खाद्य सामग्री के साथ करीब 12 घंटे तक ट्रंप का इंतजार करता रहा था। ट्रंप की हत्या का प्रयास फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच पर तब हुआ जब वे गोल्फ खेल रहे थे। संघीय जांच ब्यूरो के अधिकारियों ने ट्रंप को मारने की कोशिश को नाकाम करते हुए संदिग्ध को पकड़ लिया है। पकड़े गए शख्स का नाम रयान राउथ है। ट्रंप पर हमले की यह घटना तब हुई जब पूर्व राष्ट्रपति गोल्फ खेल रहे थे और उनसे कुछ ही दूरी पर तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने देखा कि करीब 400 गज की दूरी पर मैदान के किनारे झाड़ियों के बीच एक एके राइफल का हिस्सा बाहर निकला हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि एक एजेंट ने गोली चलाई, जिसके बाद राउथ ने राइफल गिरा दी और एक एसयूवी में भाग गया। उन्होंने बताया कि राउथ ने भागते वक्त राइफल के साथ दो बैकपैक, निशाना लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक स्कोप और एक कैमरा भी मौके पर छोड़ दिया था। राउथ को बाद में पकड़ लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, राउथ देर रात एक बजकर 59 मिनट से अगले दिन अपराह्न दो बजकर 31 मिनट तक गोल्फ कोर्स के पास था। राउथ की तरफ से खुद के बारे में ऑनलाइन दी गई जानकारी में उसने खुद को ऐसा व्यक्ति बताया है जिसने हवाई में बेघर लोगों के लिए आवास बनाए, रूस के खिलाफ खुद का बचाव करने के लिए यूक्रेन के लिए लड़ाकों की भर्ती करने की कोशिश की और जो ट्रंप से नफरत करता है।

भीषण जंग के बीच में अपने ही रक्षा मंत्री को बाहर का रास्ता दिखाएंगे पीएम नेतन्याहू

तेलअवीव (एजेंसी)। हमास, हिजबुल्लाह और हूती विद्रोहियों से जंग लड़ रहे इजरायल को अपने लोगों से भी लड़ना पड़ रहा है। मतलब इतजरायल के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। ये सब आज से नहीं बल्कि बीते डेढ साल से पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उन्ही के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के बीच तनातनी चल रही है। इससे नाराज पीएम ने अपने ही रक्षा मंत्री को हटाने का निर्णय लिया है। बंधकों की रिहाई के लिए भारी विरोध के बीच पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ऐलान किया है कि वे रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को पद से बर्खास्त करने की तैयारी कर रहे हैं। नेतन्याहू के युद्ध के बीच अचानक लिए इस फैसले ने हर किसी को चौंका दिया है। हालांकि सरकार के कई मंत्री लंबे समय से गैलेंट को हटाने की मांग कर रहे हैं। गैलेंट ने कई मौकों पर नेतन्याहू के फैसलों की आलोचना की है। सरकारी मीडिया ने पीएम ब्यूरो के एक अधिकारी के हवाले से इसकी पुष्टि की है।

रक्षा मंत्री पद के लिए योआव गैलेंट के स्थान पर न्यू होप के अध्यक्ष गिदोन सीआर को जगह दी जा सकती है। हालांकि इजरायली चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, अगर गिदोन को रक्षा मंत्री का पद नहीं मिलता है, वह विदेश मंत्री बनाए जा सकते हैं। वहीं, गैलेंट की जगह मौजूदा विदेश मंत्री इजराइल कैट्स को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। चैनल 12 ने यह भी दावा किया है कि न्यू होप के एमके ज़ीव एल्किन और शेरेन हास्केल को भी मंत्री पद की पेशकश की जा सकती है। खबरों के मुताबिक, कई महीनों से अफवाहें चल रही हैं कि नेतन्याहू गैलेंट को हटाने वाले हैं। पीएम ब्यूरो ने रक्षा मंत्री गैलेंट को जल्द बर्खास्त करने की पुष्टि की जरूर है लेकिन, प्रधानमंत्री कार्यालय ने अभी इस बात से इनकार कर दिया कि वे नए रक्षा मंत्री पद के लिए गिदोन के साथ बातचीत कर रहे हैं। गिलोद के प्रवक्ता ने भी दावा किया है कि इस मुद्दे पर नेतन्याहू के साथ कोई नई चर्चा नहीं हुई है। गैलेंट और नेतन्याहू के बीच संबंध मार्च 2023 से तनावपूर्ण संबंध हैं। तब नेतन्याहू ने घोषणा की थी कि वे सरकार के न्यायिक सुधार की आलोचना करने पर गैलेंट को बर्खास्त कर देंगे। हालांकि दो सप्ताह बाद जनता के भारी दबाव के चलते उन्होंने अपना फैसला बदल दिया था। तब से नेतन्याहू और गैलेंट के बीच संबंधों में खटास आ गई थी। नेतन्याहू के मंत्रिमंडल के सदस्य कई महीनों से गैलेंट को बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। गैलेंट सरकार द्वारा समर्थित अति-रूढ़िवादी सैन्य भर्ती विधेयक के विरोध, बंधक सौदे और गाजा में फिलाडेल्फिया गलियारे पर नियंत्रण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नेतन्याहू से सार्वजनिक रूप से असहमति जता चुके हैं।

वेनेजुएला में मादुरो की हत्या की साजिश, छह विदेशी गिरफ्तार

-अमेरिकी एजेंसी सीआईए पर उठ रहे सवाल

बोगोटा (एजेंसी)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की हत्या की साजिश का पर्दाफाश हुआ है, इस मामले में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इन गिरफ्तारियों में दो अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। वेनेजुएला के आंतरिक मामलों के मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने बताया कि ये छह विदेशी नागरिक राष्ट्रपति मादुरो की हत्या करने के इरादे से देश में दाखिल हुए थे।

मंत्री के अनुसार, यह साजिश सीआईए द्वारा निर्देशित थी, जिसका उद्देश्य मादुरो की हत्या के साथ-साथ कई अन्य मंत्रियों को निशाना बनाना था। कैबेलो ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए लोग भाड़े के सैनिक थे और इन आरोपियों से 400 राइफलें बरामद की गई हैं।कैबेलो ने मामले में कुछ राइफल्स की तस्वीरें भी दिखाई, जिन्हें कथित रूप से इन साजिशकर्ताओं से जब्त किया था। उन्होंने कहा कि यह समूह अमेरिका के तीन, स्पेन के दो, और चेक गणराज्य के एक नागरिक से मिलकर बना था। गिरफ्तार हुए अमेरिकी नागरिकों में से एक नौसेना का पूर्व सदस्य विल्बर्ट जोसेफ कास्टानेडा गोमेज है, जो नौसेना सील कमांडो का हिस्सा रह चुका है और अफगानिस्तान, इराक, और कोलंबिया में सेवा दे चुका है। हालांकि, वॉशिंगटन ने वेनेजुएला के आरोपों को खारिज किया है कि सीआईए ने मादुरो की हत्या की साजिश रची थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने केवल इतना कहा कि एक अमेरिकी सैनिक को हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की जा रही है। वहीं, स्पेन के दूतावास ने अब तक अपने नागरिकों की गिरफ्तारी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस घटना ने वेनेजुएला और अमेरिका के बीच पहले से ही तनावपूर्ण रिश्तों को और अधिक जटिल बना दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी असर देखने को मिल सकता है।

बांग्लादेश में अब यूनुस ने खालिदा जिया के अरमानों पर फेरा पानी

ढाका (एजेंसी)। शेख हसीना के देश छोड़कर भागने के बाद ऐसा लगा था कि मुहम्मद युनूस की अंतरिम सरकार कुछ दिनों तक रहेगी और फिर चुनाव होंगे। खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) इसमें खुद के लिए रास्ता देख रही थी। लेकिन अब बीएनपी की सांसें फूलने लगी हैं। उसे डर सताने लगा है क्योंकि जिस तरह अंतरिम सरकार जड़ें फैला रही है, कहीं हमेशा के लिए यही सरकार न रह जाए। इस बीच एक सर्वे बांग्लादेश की मीडिया में पब्लिश हुआ है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि देश की 80 फीसदी आबादी अंतिरम सरकार के कामकाज से खुश है और चाहती है कि यही सरकार हमेशा के लिए बनी रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि जनता लंबे समय तक अंतरिम सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। एक सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि 80 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि यह सरकार जब तक चाहे तब तक बनी रहे।

बीएनपी महासचिव ने कहा, मेरा मानना है कि ऐसी बातें कहते या रिपोर्ट करते समय ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसी किसी भी रिपोर्ट को सोच समझकर पब्लिश किया जाना चाहिए। खालिदा जिया की पार्टी इस बात से डरी हुई है कि अगर मुहम्मद यूनुस सत्ता न छोड़े तो क्या होगा। क्योंकि 10 दिनों से बांग्लादेश की कई ताकतवर लॉबी ये बात फैला रही है कि यूनुस सरकार नहीं जाने वाली है, क्योंकि वे ऐसा काम कर रहे हैं, जिसे देश की जनता पसंद कर रही है। अगर इस सरकार ने वो कर लिया जो जनता की चाहत है, तो बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बीएनपी चाहती है कि जल्द स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं। देश में एक चुनी हुई सरकार बने। चुने हुए जनप्रतिनिधि ही ये फैसला लें कि कौन से सुधार जरूरी हैं। संसद को ही निर्णय लेना चाहिए। संविधान में बदलाव लाया जाए या फिर नया संविधान लिखा जाए, ये सबकुछ निर्णय करने का अधिकार सांसदों को ही है। फखरुल ने कहा, मुझे बहुत आश्चर्य होता है जब मैं देखता हूं कि हाई प्रोफाइल लोग, जो समाज में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं, भ्रामक बयान दे रहे हैं। मैं इस बात से हैरान हूं कि इस सरकार द्वारा जिन लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनमें से कुछ अब कह रहे हैं कि एक नई पार्टी के गठन की जरूरत है। उन्हें यह अधिकार किसने दिया? उन्हें नई पार्टी बनाने का जनादेश कहां से मिला? हम लोग कैसे भरोसा करें कि वे निष्पक्षता से काम कर रहे हैं?

रूस करीब दो लाख सैनिकों की करेगा भर्ती, यूक्रेन की बढ़ेंगी मुश्किलें

मास्को (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन की चल रही जंग कब विनाशकारी हो जाए कोई नहीं जानता। यूक्रेन दूसरे देशों के बहकाबे में है और लगातार जंग लड़ रहा है जबकि रूस ने इसे अपनी नाक का सवाल बना लिया है। वो किसी भी सूरत में झुकने को तैयार नहीं है। इसी बीच रूस ने एक लाख 80 हजार नए सैनिकों की भर्ती के आदेश दिए हैं। रूसी सेना में 1.80 लाख सैनिकों की भर्ती की जाएगी। इससे रूसी आर्मी में सक्रिय जवानों की संख्या 15 लाख हो जाएगी। सेना में 180000 सैनिक बढ़ाए जाने के बाद 15 लाख एक्टिव सैनिकों की ताकत के साथ रूस की सेना चीन के बाद दूसरी सबसे बड़ी सेना होगी। यूक्रेन संग जंग के बाद यह तीसरी बार है, जब पुतिन ने 2022 के बाद सेना का आकार बढ़ाया है।

आदेश के मुताबिक, इस बढ़ोतरी के बाद रूस के कुल सैन्यकर्मियों की संख्या करीब 24 लाख हो जाएगी। पुतिन ने रूसी सशस्त्र बलों की कुल संख्या को 23 लाख 80 हजार करने का आदेश दिया है। इसमें 15 लाख सक्रिय सैनिक होंगे। रूसी सेना में शामिल होने वाले ये नए जवान स्टाफ दिसंबर से ड्यूटी पर फर्ज निभाने को तैयार हो जाएंगे। एक्टिव सैनिकों के मामले में रूस से आगे अब केवल चीन ही है। अमेरिका तक को रूस ने पीछे छोड़ दिया है। चीन के पास करीब 20 लाख एक्टिव सैन्यकर्मी हैं। वहीं, भारत के पास करीब 14 लाख एक्टिव सैन्य जवान

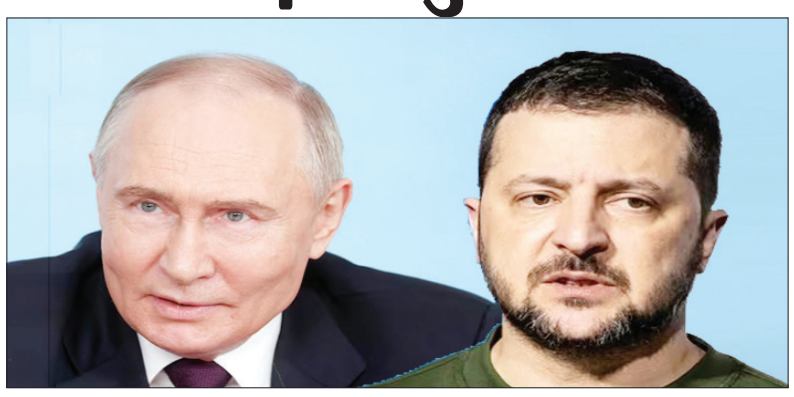

हैं। यहां बताना जरूरी है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से पुतिन तीसरी बार अपनी सेना का विस्तार कर रहे हैं। पुतिन का यह नया आदेश जेलेंस्की के लिए बड़े टेंशन से कम नहीं है। रूस को अमेरिका समेत नाटो देश अलग-थलग करने और पुतिन को तोड़ने में लगे हैं। मगर पुतिन झुकने की जगह और अपनी ताकत ही बढ़ा रहे हैं। जेलेंस्की भले ही यूक्रेन जंग में युद्ध विराम चाहते हैं, मगर पुतिन के इरादों से लग नहीं रहा कि वह जंग इतनी जल्दी खत्म होने देंगे। हालांकि, पुतिन अपनी शर्तों पर सीजफायर चाहते हैं। आर्मी की संख्या को बढ़ाने की पीछे मकसद यह भी हो सकता है कि वह युद्ध को अभी और लंबा खींचना चाहते हैं। पुतिन का यह आदेश इसलिए भी अहम है, क्योंकि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन आर्मी घुस चुकी है। साथ ही पिछले महीने यूक्रेन ने कुर्स्क क्षेत्र में सीमा पार से बिजली की तेजी से हमला किया था। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर पहला विदेशी आक्रमण था। यही वजह है कि अब पुतिन गुस्से से लाल हो चुके हैं और वह यूक्रेन के खिलाफ और कड़ा रुख अपनाते जा रहे हैं। पिछले हफ्ते रूस ने कुर्स्क से यूक्रेनी सैनिकों को खदेड़ने के अपने प्रयास तेज कर दिए और पूर्वी डोनबास क्षेत्र के महत्वपूर्ण यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क की ओर बढ़ रहा है। 2022 के बाद से पुतिन ने लड़ाकू सैनिकों की संख्या में दो बार विस्तार का आदेश दिया है

भारत से पंगा लेने के मूड में था ईरान, मुसलमानों पर दिया ज्ञान, 4 घंटे में ही मोदी सरकार ने कर दिया तगड़ा इलाज

तेहरान (एजेंसी)। पांच बजकर 16 मिनट पर भारत को लेकर खामनेई का एक ट्वीट आता है। इसके चार घंटे बाद भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से ईरान को उसी की भाषा में जवाब दिया जाता है। दरअसल, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई ने एक ट्वीट किया था। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने कहा है कि भारत में मुसलमानो का उत्पीड़न हो रहा है। उन्होने सोशल मीडिया एक्स पर यह बात कही और दुनियाभर के मुसलमानों के बीच एकजुटता की जरूरत बताई। खामेनई ने लिखा कि अगर हम म्यामार, गाजा, भारत या किसी अन्य स्थान पर किसी मुस्लिम को होने वाली पीड़ा से बेखबर है तो हमें खुद को मुसलमान नहीं मानना चाहिए। खामेनई का हिंदी में भी एक अलग एक्स अकाउंट है, लेकिन इस पर ऐसा कोई पोस्ट नहीं किया गया है।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के इस कथित आरोप पर अब भारत की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों का कड़े शब्दों में जवाब दिया है और खामेनेई के बयान की निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों पर टिप्पणी करने वाले देशों को दूसरों के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से पहले अपना रिकॉर्ड देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में अल्पसंख्यकों के संबंध में की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हैं। ये गलत सूचना पर आधारित और अस्वीकार्य हैं।

जायसवाल ने कहा कि अल्पसंख्यकों पर टिप्पणी करने वाले देशों को सलाह दी जाती है कि वे दूसरों के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से पहले अपना रिकॉर्ड देखें। ईरान में राष्ट्रपति या सरकार महज औपचारिकता के लिए बनाई जाती है। सारी पावर ईरान के सुप्रीम लीडर के पास होती है। रिलीजियस या पॉलिटिकल सभी मसलों पर सुप्रीम लीडर ही मुख्य अथॉरिटी होता है। ईरान की सरकार या राष्ट्रपति के किसी भी फैसले को बदलने की भी पावर होती है। ईरान के अंदर ज्यूडिशरी, मिलिट्री कमांडर, मीडिया समेत सभी जरूरी संस्थानों के ऊपर अप्वाइंटमेंट का फैसला सुप्रीम लीडर का होता है। इसलिए ज्यूडिशयरी से लेकर आर्म फोर्स का कंट्रोल ईरान में सुप्रीम लीडर के पास होता है।

पितरों के प्रति श्रद्धा का महान पर्व है श्राद्ध!

जब महाभारत के युद्ध में कर्ण का निधन हो गया और उनकी आत्मा स्वर्ग पहुंच गई, तो उन्हें रोजाना भोजन की बजाय खाने के लिए सोना और गहने दिए गए। इस बात से निराश होकर कर्ण की आत्मा ने इंद्र देव से इसका कारण पूछा। तब इंद्र ने कर्ण को बताया कि आपने अपने पूरे जीवन में सोने के आभूषणों को दूसरों को तो दान किया, लेकिन कभी भी अपने पूर्वजों को दान नहीं दिया।

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक के सोलह दिनों को पितृ पक्ष कहते हैं, जिसमें हम अपने पूर्वजों की याद करते हैं। इस बार पितृ पक्ष 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक रहेंगे। पितृ पक्ष में पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध, ब्राह्मण भोज आदि किया जाता है। साथ ही, पितृ पक्ष की तिथियों पर पितरों की पूजा करके उनको तृप्त किया जाता है।जिन पूर्वजों का देहांत हो चुका है, उन्हें हम पितृ मानते हैं। मृत्यु के बाद पितृ सूक्ष्म लोक में रहते है। पितरों का आशीर्वाद सूक्ष्मलोक से परिवारवालों को मिलता है।पितृपक्ष में पितृ धरती पर आकर अपने लोगों को आशीर्वाद देकर उनकी समस्याएं दूर करते हैं। पितृ नाराज हो जाएं तो घर की तरक्की में बाधाएं उत्पन्न होने लगती हैं। श्राद्ध पक्ष को पितृपक्ष और महालय के नाम से भी जाना जाता है।इस बार श्राद्ध दिवस निम्न प्रकार रहेंगे,

▶▶ पूर्णिमा श्राद्ध	17 सितंबर 2024	मंगलवार
▶▶ प्रतिपदा श्राद्ध	18 सितंबर 2024	बुधवार
▶▶ द्वितीया श्राद्ध	19 सितंबर 2024	गुरुवार
▶▶ तृतीया श्राद्ध	20 सितंबर 2024	शुक्रवार
▶▶ चौथा श्राद्ध	21 सितंबर 2024	शनिवार
▶▶ पांचवां श्राद्ध	22 सितंबर 2024	रविवार
▶▶ छठा श्राद्ध	23 सितंबर 2024	सोमवार
▶▶ सातवां श्राद्ध	24 सितंबर 2024	मंगलवार
▶▶ आठवां श्राद्ध	25 सितंबर 2024	बुधवार
▶▶ नौवां श्राद्ध	26 सितंबर 2024	गुरुवार
▶▶ दसवां श्राद्ध	27 सितंबर 2024	शुक्रवार
▶▶ एकादशी श्राद्ध	28 सितंबर 2024	शनिवार
▶▶ द्वादशी श्राद्ध	29 सितंबर 2024	रविवार
▶▶ त्रयोदशी श्राद्ध	30 सितंबर 2024	सोमवार
▶▶ चतुर्दशी श्राद्ध	1 अक्तूबर 2024	मंगलवार
▶▶ सर्व पितृ अमावस्या	2 अक्तूबर 2024	बुधवार

▶▶ कुतुप मुहूर्त- 18 सितंबर यानी कल सुबह 11 बजकर 50 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 39 मिनट तक

▶▶ रौहिण मुहूर्त- दोपहर 12 बजकर 39 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 28 मिनट तक

▶▶ अपराह्न मुहूर्त- दोपहर 1 बजकर 28 मिनट से 3 बजकर 55 मिनट तक।

जब महाभारत के युद्ध में कर्ण का निधन हो गया और उनकी आत्मा स्वर्ग पहुंच गई, तो उन्हें रोजाना भोजन की बजाय खाने के लिए सोना और गहने दिए गए। इस बात से निराश होकर कर्ण की आत्मा ने इंद्र देव से इसका कारण पूछा। तब इंद्र ने कर्ण को बताया कि आपने अपने पूरे जीवन में सोने के आभूषणों को दूसरों को तो दान किया, लेकिन कभी भी अपने पूर्वजों को दान नहीं दिया।

तब कर्ण ने उत्तर दिया कि वह अपने पूर्वजों के बारे में नहीं जानता है और उसे सुनने के बाद, भगवान इंद्र ने उसे 15 दिनों की अवधि के लिए पृथ्वी पर वापस जाने की अनुमति दी ताकि वह अपने पूर्वजों को भोजन दान कर सके। तब से इसी 15 दिन की अवधि को पितृ पक्ष के रूप में जाना जाता है।श्राद्ध अपने दिवंगत पूर्वजो को याद करने ,उनके प्रति श्रद्धा भाव अभिव्यक्त करने का पुनीत अवसर है। श्राद्ध वाले दिन सुबह उठकर स्नान कर देव स्थान व पितृ स्थान को गाय के गोबर से लिपकर व गंगाजल से पवित्र कर लेना चाहिए।

महिलाएं शुद्ध होकर पितरों की याद में पितरों की रुचि का भोजन बनाये। इसके बाद ब्राहम्ण को घर पर बुलाकर या मंदिर में पितरों की पूजा और तर्पण का अनुष्ठान कराएं। आप ये काम खुद भी कर सकते हैं। पितरों के समक्ष अग्नि में गाय का दूध, दही, घी और खीर अर्पित करें। उसके बाद पितरों के लिए बनाए गए भोजन के चार ग्रास निकालें जिसमें एक हिस्सा गाय, एक कुत्ते, एक कौए और एक अतिथि के लिए रखें। गाय, कुत्ते और कौए को भोजन डालने के बाद ब्राहम्ण को आदरपूर्वक भोजन कराएं, उन्हें वस्त्र और दक्षिणा दें। ब्राहम्ण के रूप में आपका दामाद या ध्याना भी हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति किसी कारणों से बड़ा श्राद्ध नहीं कर सकता तो उसे पूर्ण श्रद्धा के साथ अपने सामर्थ्य अनुसार उपलब्ध अन्न, साग-पात-फल और दक्षिणा किसी ब्राह्मण को आदर भाव से दे देनी चाहिए।

श्राद्ध पक्ष के दिनों में ।।ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय।।मन्त्र का वाचन करना चाहिए। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन श्राद्ध की शुरूआत और समापन में ।।देवताभ्यः पितृभ्यश्च महायोगिभ्यन एव च। नमः स्वाहायै स्व धायै नित्ययमेव भवन्युव त।।का वाचन करे।

पितर 2 प्रकार के होते हैं एक दिव्य पितर और दूसरे पूर्वज पितर। दिव्य पितर ब्रह्मा के पुत्र मनु से उत्पन्न हुए ऋषि हैं। पितरों में सबसे प्रमुख अर्यमा हैं जिनके बारे में गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि पितरों में प्रधान अर्यमा वे स्वयं हैं।दूसरे प्रकार के पितर पूर्वज होते हैं। पितृपक्ष में अपने इन्हीं पितरों को लोग याद करते हैं और इनके नाम से पिंडदान, श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाते हैं। कठोपनिषद्, गरुड़ पुराण, मार्कण्डेय पुराण के अनुसार पितर अपने परिजनों के पास पितृपक्ष श्राद्ध के समय आते हैं और अन्न जल एवं आदर की अपेक्षा करते हैं। जिन परिवार के लोग पितृ पक्ष के दौरान पितरों के नाम से अन्न जल दान नहीं करते। श्राद्ध कर्म नहीं करते हैं। उनके पितर भूखे-प्यासे धरती से लौट जाते हैं। इससे परिवार के लोगों को पितृ दोष लगता है। इसे पितर शाप भी कहते हैं। इससे संतान प्राप्ति में बाधा आती है। परिवार में रोग और कष्ट बढ जाता है।

पितर पक्ष में जिन तिथियों में पूर्वज यानी पिता, दादा, परिवार के लोगों की मृत्यु हुई होती है उस तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध का नियम है कि दिन के समय पितरों के नाम से श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाना चाहिए। कहा जाता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। श्राद्ध पक्ष में मांसाहार पूरी तरह वर्जित माना गया है। श्राद्ध पक्ष का माहात्म्य उत्तर व उत्तर-पूर्व भारत में ज्यादा है। तमिलनाडु में आदि अमावसाई, केरल में करिकडा वावुबली और महाराष्ट्र में इसे पितृ पंधरवडा नाम से जानते हैं। श्राद्ध स्त्री या पुरुष, कोई भी कर सकता है। श्रद्धा से कराया गया भोजन और पवित्रता से जल का तर्पण ही श्राद्ध का आधार है।

श्राद्ध का अनुष्ठान करते समय दिवंगत पूर्वज का नाम और उसके गोत्र का उच्चारण किया जाता है। हाथों में कुश की पैंती (उंगली में पहनने के लिए कुश का अंगूठी जैसा आकार बनाना) डालकर काले तिल से मिले हुए जल से पितरों को तर्पण किया जाता है। मान्यता है कि एक तिल का दान बत्तीस सेर स्वर्ण तिलों के बराबर है। परिवार का उत्तराधिकारी या ज्येष्ठ पुत्र ही श्राद्ध करता है। जिसके घर में कोई पुरुष न हो, वहां स्त्रियां ही इस परम्परा को निभाती हैं। परिवार का अंतिम पुरुष सदस्य अपना श्राद्ध जीते जी करने के लिए स्वतंत्र माना गया है। संन्यासी वर्ग अपना श्राद्ध अपने जीवन में कर ही लेते हैं।

श्राद्ध पक्ष पूर्वजों के प्रति
नमन का है पुनीत अवसर
पर जीवित उनके रहते हुए
उन्हें भूले रहते हम अक्सर
जीते जी सेवा बडो की
खुश होकर करते जो जन
वे सदा सुख ही भोगते
तनाव मुक्त रहता उनका मन
दिवंगत होने के बाद भी
पितृ लोक से वे देते आशीष
पर जिसने उनको कष्ट दिया
उन्हें कभी नहीं मिलती बख्शीस
माता पिता को जिसने देव माना
श्राद्ध का भाव उसी ने जाना।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व आध्यात्मिक चिंतक है)

संपादकीय

जीवन से खिलवाड़

आत्महत्या की हर घटना झकझोर जाती है, पर जब कोई प्रतिभावान युवा अपनी जान लेता है, तो यह न केवल त्रासद, बल्कि पूरे देश-समाज के लिए नुकसानदायक बात है। बड़े दुख की बात है कि दिल्ली में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के 25 वर्षीय स्नातकोत्तर मेडिकल छात्र को उसके कमरे में मृत पाया गया। प्रथम दृष्टया, ऐसा लग रहा है कि छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, लेकिन पुलिस को व्यापकता में जांच करनी चाहिए और हर आशंका को परखना चाहिए। जानना जरूरी है कि आखिर एक टॉपर छात्र ऐसे मुकाम पर कैसे पहुंच गया? वह रेडियोलॉजी का द्वितीय वर्ष का छात्र था और उसे बेहतरीन विशेषज्ञ डॉक्टर बनना था। लोग यह भूले नहीं थे कि पंजाब का यह छात्र साल 2017 में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी या नीट) का टॉपर था। उसके पिता सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल हैं और छोटा भाई भी मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है। जिस परिवार ने अपना होनहार खोया है, उसके साथ सबकी संवेदना होनी चाहिए। ऐसी घटनाएं समाज को विचलित कर देती हैं। समाज विज्ञानियों और चिकित्सकों को मिलकर अध्ययन करना चाहिए। ध्यान रहे, दिल्ली में ही 27 अगस्त को ओल्ड रेजिडेंट डॉक्टर हॉस्टल में एक 20 वर्षीय मेडिकल छात्र का शव मिला था। छात्रों के बीच भी यह सवाल बार-बार उठ रहा होगा। क्या निराशा इतनी बढ़ गई है कि अपनी जीवन में पढ़ाई के झंडे गाड़ने वाले छात्रों को भी अपना भविष्य स्याह लग रहा है? इस साल फरवरी के महीने में यह आंकड़ा सामने आया था कि पिछले पांच वर्षों में कम से कम 122 मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें से 64 एमबीबीएस में और 58 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अध्ययनरत थे। यह संख्या कम नहीं है। एक भावी चिकित्सक को ऊर्जा और उत्साह से भरपूर होना चाहिए, क्योंकि उसे लोगों की सेवा के लिए समर्पित होना है। उसे चिकित्सक बनने का मौका मिला है और अच्छे चिकित्सकों को लोग भगवान की तरह आदर देते हैं। सम्मानजनक जिंदगी की ओर जा रहे छात्रों के दिलोदिमाग में निराशा का एक कतरा नहीं होना चाहिए, पर हर महीने औसतन दो मेडिकल छात्र आत्महत्या कर लेते हैं? राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने इस साल फरवरी में यह भी बताया था कि पांच साल में 1,270 मेडिकल छात्रों ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी। एक और तथ्य गौरतलब है कि पढ़ाई छोड़ने वालों में से 153 विद्यार्थी एमबीबीएस कर रहे थे और 1,117 ने स्नातकोत्तर के दौरान पढ़ना छोड़ दिया। मतलब, विशेषज्ञ चिकित्सक बनने का मौका भी हाथ से निकलने दिया जा रहा है? क्या चिकित्सा शिक्षा का ध्यान रखने वाली जिम्मेदार संस्थाओं ने इन तथ्यों पर गहराई से गौर किया है? बेशक, छात्रों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बढ़ती जा रही है। यह होनहार सिख छात्र भी शायद आत्महत्या न करता, अगर उसके पास संस्थान के होस्टल की सुविधा होती। वह अलग कमरा लेकर रह रहा था, तो हो सकता है, अकेलेपन की वजह से अवसाद में चला गया हो। आज छात्रों के सामने समस्याओं का अंबार है। ज्यादातर शिक्षा संस्थान छात्रों की मूलभूत सुविधाओं और मनोदशा से अंजान बने रहते हैं। ऐसे में, छात्रों को अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही अपनी मनोदशा को भी मजबूत रखना पड़ता है। आज शिक्षा संस्थानों के लिए ही नहीं, यह सरकार और समाज के लिए भी विशेष रूप से अपने घर-परिवार से दूर अकेले रहने वाले छात्रों की फिक्र का समय है।

क्षमा है युद्ध एवं शत्रुता का समाधान

उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होने वाला यह पर्व अश्विन कृष्ण एकम को क्षमावाणी पर्व पर सम्पन्न होता है, क्षमावाणी दिवस पर सबसे अपने भूलों की क्षमा याचना की जाती है। इस दिन श्रावक (गृहस्थ) और साधु दोनों ही वार्षिक प्रतिक्रमण करते हैं। पूरे वर्ष में उन्होंने जाने या अनजाने यदि संपूर्ण ब्रह्मांड के किसी भी सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव के प्रति यदि कोई भी अपराध किया हो, तो उसके लिए वह उनसे क्षमा याचना करता है। अपने दोषों की निंदा करता है और कहता है- मेरे सभी दुष्कृत्य मिथ्या हो जाएं। क्षमावाणी पर्व पर हर मंदिरों मे क्षमावाणी अभिषेक के पश्चात् क्षमावाणी पर्व मनाया जाता है, इसके माध्यम से एक दूसरे के हृदय की मलीनता दूर की जाती है।

(लेखक - देवेन्द्र ब्रह्मचारी)

क्षमावाणी दिवस- 18 सितम्बर, 2024

दिगम्बर जैन समाज का सबसे अहम आत्म शुद्धि का महापर्व दशलक्षण पर्व इस वर्ष भादो सुदी पंचमी 8 सितम्बर से प्रारंभ होकर अनंत चतुर्दशी 17 सितम्बर तक मनाया जा रहा है। उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होकर क्षमावाणी पर्व पर यह संपन्न होगा, दस दिनों तक क्रमशः दस धर्मों की आराधना की जाती है। पूरे विश्व के दिगम्बर जैन धर्म के अनुयायी इस पर्व को बड़े ही उत्साह व आत्मीयता से मनाते है। दशलक्षण पर्व के दिनों में क्रमशः उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन तथा उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की जाती है। ये सभी आत्मा के धर्म हैं, क्योंकि इनका सीधा सम्बन्ध आत्मा के कोमल परिणामों से हैं। इस पर्व का एक वैशिष्ट्य है कि इसका संबंध किसी व्यक्ति विशेष से न होकर आत्मा के गुणों से है। इस प्रकार यह गुणों की आराधना का पर्व है। इन गुणों से एक भी गुण की परिपूर्ण हो जाये तो मोक्ष तत्व की उपलब्धि होने में किंचित भी संदेह नहीं रह जाता है। मानव इन दस धर्म को अपने जीवन मे अपनाकर अपने जीवन का धार्मिक, सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत रूप से उन्नयन कर सकता है, इन दिनों मे सभी दिगम्बर जैन मंदिरों मे प्रातः से ही भक्तों का अम्बार लग जाता है।

उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होने वाला यह पर्व अश्विन कृष्ण एकम को क्षमावाणी पर्व पर सम्पन्न होता है, क्षमावाणी दिवस पर सबसे अपने भूलों की क्षमा याचना की जाती है। इस दिन श्रावक (गृहस्थ) और साधु दोनों ही वार्षिक प्रतिक्रमण करते हैं। पूरे वर्ष में उन्होंने जाने या अनजाने यदि संपूर्ण ब्रह्मांड के किसी भी सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव के प्रति यदि कोई भी अपराध किया हो, तो उसके लिए वह उनसे क्षमा याचना करता है। अपने दोषों की निंदा करता है और कहता है- मेरे सभी दुष्कृत्य मिथ्या हो जाएं। क्षमावाणी पर्व पर हर मंदिरों मे क्षमावाणी अभिषेक के पश्चात् क्षमावाणी पर्व मनाया जाता है, इसके माध्यम से एक दूसरे के हृदय की मलीनता दूर की जाती है। क्षमा आत्मा का स्वभाव है। क्षमा पृथ्वी का नाम है। जिस प्रकार पृथ्वी तरह-तरह के बोझ को सहन करती है, इसी प्रकार चाहे कैसी भी विषम परिस्थिति आए, उसमें भी अपने मन को स्थिर रखना, अपने भीतर क्रोध रूप परिणत न करना क्षमा है। उत्तम क्षमा के धारक पुरूष को मात्र अपने आत्मा की शुद्धि ही साध्य है। क्षमा ब्रह्म है, क्षमा सत्य है, क्षमा तप है, क्षमा पवित्रता है, क्षमा ने ही सम्पूर्ण जगत को धारण कर रखा है।

क्षमा को धारण करने वाले इंसान ऋजु होते हैं, उनके कर्म संस्कार क्षय होते हैं जबकि जो कुटिल होते हैं, उनके कर्म संस्कार संचित रहते हैं। हंस और बगुला लगभग एक से लगते हैं, किंतु उन दोनों के स्वभाव में बडा अंतर होता है। यही कारण है कि हंस से लोग प्रेम करते हैं और बगुले से द्वेष करते हैं। जिस प्रकार बीज बोने के लिए जमीन पर हल, चलाकर उसे अच्छी तरह जोतकर तथा कूड़ा-करकट से रहित कर साफ किया जाता है उसी प्रकार क्षमा रूपी बीज का वपन करके मन रूपी भूमि को मांजा जाता है एवं आत्मा की निर्मलता के द्वारा उत्तम चरित्र रूपी फल की उपलब्धि सुनिश्चित की जाती है। दुनिया में आज जितने भी अनर्थ और पापकर्म होते हैं, चाहे हिंसा के रूप में हो, आतंक के रूप में हो, शोशण के रूप में हो वे सब क्षमा के अभाव में ही होते हैं। जो परस्त्री और परपदार्थों के प्रति निःस्पृह है, समस्त प्राणियों के प्रति जिसका चित्त अहिंसक है और जिसने दुर्भेद्य अंतरंग मन को धो लिया है ऐसा पवित्र हृदय ही क्षमा धर्म की पात्रता को धारण कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति इस पवित्र एवं पावन दिवस पर भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है। गलती करना मानवोचित्त है, लेकिन क्षमा करना देवतोचित्त है।

मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा-'अहो ते खंति उत्तमा'-क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं।

भारत की संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' समूची वसुधा कुटुम्ब है, सारा विश्व एक परिवार है, का उद्घोश हुआ। यह महावीर की अहिंसा एवं बुद्ध की करुणा से प्रेरित उद्घोश है, जो विश्व मैत्री को बल देता है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। क्षमा वाणी के दिन सभी से शत्रुता, नफरत एवं द्वेश को मिटा कर गले लगाने का दिन है। यह दिलों को जोड़ने का पर्व है, यह आत्मा को निर्मल बनाने का पर्व है। दस दिनों की कठोर साधना एवं क्षमावाणी का घोश मानवीय संवेदनाओं को जागृत करने की एक विलक्षण साधना है। क्षमा देने एवं क्षमा लेने की यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिश्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं।

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। दशलक्षण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है, जिसमें सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। इस तरह से दशलक्षण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है -'आत्मौपम्येन सर्वत्र:, समे पश्यति योर्जुन''-श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ''सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। क्षमावाणी का पर्व विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध को विराम देने का आह्वान है क्योंकि अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। युद्धरत देशों के लिये क्षमा पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक-सौहार्द-शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है।

(प्रख्यात जैन संत देवेन्द्र ब्रह्मचारी जन आरोग्यम फाउण्डेशन के संस्थापक है)

विचार मंथन

जुर्माना से निपटेंगे फेमा (ईडी) के मामले

(लेखक - सनत जैन)

आरबीआई (भारतीय रिज़र्व बैंक) द्वारा विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम फेमा उल्लंघन के निपटारे में जुर्माना देकर लंबित मामलों को निपटारा करने का संशोधन सरकार द्वारा किया गया है। फेमा उल्लंघन के मामलों को आसानी से सुलझाने और लंबी कानूनी प्रक्रिया से बचाने के लिए आरबीआई ने कुछ दिशा निर्देश जारी किए हैं। पहले 10 लाख रुपये तक के जुर्माने वाले मामलों को सहायक महालेखाकार स्तर पर निपटाने का प्रावधान था, अब यह सीमा बढ़ाकर 40 लाख रुपये कर दी गई है। महालेखाकार स्तर पर यह सीमा 40 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.5 करोड़ रुपये कर दी गई है। मुख्य महालेखाकार स्तर पर यह सीमा 5 करोड़ तक बढ़ा दी गई है। अगर कोई कंपनी या व्यक्ति फेमा उल्लंघन के दायरे में आता है। यह उल्लंघन नई सीमा के भीतर है, तो वह जुर्माना देकर मामला समाप्त कर सकता है। इस प्रक्रिया के तहत जुर्माना के बाद किसी प्रकार की अन्य कार्रवाई अब नहीं की जाएगी। सरकार ने आरबीआई के पास यह अधिकार सुरक्षित रखा है, कि वह आवेदन को स्वीकार करे, या नहीं। फेमा उल्लंघन के 77 फीसदी मामले ईडी से जुड़े होते हैं, वहीं 15 फीसदी मामले ऑडिट की जांच में सामने आते हैं। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ने फेमा के मामले में जो ताजा संशोधन किए हैं। यह पुराने मामलों के ऊपर लागू होगा, कि नहीं, इसके बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं है। जो संशोधन फेमा में किया गया है। उसमें रिजर्व बैंक को अधिकृत किया गया है, वह किसी भी मामले को जुर्माना के लिए स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है। यह प्रावधान होने से सरकार जिसे चाहेगी, वही जुर्माना देखकर छूट पाएगा। अन्यथा उसके ऊपर फेमा का अपराधिक केस भी चलाया जाएगा। यह अधिकार अभी भी रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार के पास बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में ईडी की जो कार्य प्रणाली रही है। उसमें बड़े पैमाने पर रिश्वतखोरी के आरोप ईड़ी के अधिकारियों पर लगते रहे हैं। इसके साथ ही ईडी के मामलों में नोटिस देकर दबाव बनाकर राजनीतिक और आर्थिक लाभ लेने के कई मामले सामने आ चुके हैं। यह मामले बड़ी संख्या में कोर्ट के पास लंबित हैं। कई मामलों में ईडी को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से लताड़ भी लग चुकी है। यह संशोधन पुराने मामलों में लागू होगा, तो ऐसी स्थिति में भी रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश अभी भी बनी हुई है। सरकार और रिजर्व बैंक ने जो संशोधन किए हैं, इसका सीधा लाभ कारोबारियों को मिलता हुआ नहीं दिख रहा है। जिस तरह से आयात और निर्यात व्यापार में फेमा के रोजाना कई मामले सामने आ रहे हैं। कारोबारियों को जिस तरह से ईडी द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। इसका असर भारत के निर्यात व्यापार पर पड़ा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में कर चोरी करने के लिए तस्करी के मामले भी बड़ी तेजी के साथ बढ़े हैं। सरकार ने जो संशोधन किए हैं। उससे फेमा के बहुत सारे मामले जुर्माने के माध्यम से ले-देकर निपटाने का एक नया रास्ता बनाया गया है। यही कहा जा सकता है।

आम तौर पर विद्यार्थी इंजीनियरिंग की कॉमन ब्रांचेज को ही चुनते हैं लेकिन यह फील्ड इतनी विस्तृत है कि इसकी हर ब्रांच में आगे बढ़ने और बेहतर करियर बनाने का स्कोप है। इंजीनियरिंग की ऐसी ही एक ब्रांच है, रबर टेक्नोलॉजी। इसमें नेचुरल रबर, लेटेक्स और सिंथेटिक रबर से उपयोगी उत्पाद बनाए जाते हैं। अगर आप भी इंजीनियरिंग में कुछ अलग करने की सोच रहे हैं, तो रबर टेक्नोलॉजी आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

बेहतर करियर बनाने का स्कोप है रबर टेक्नोलॉजी

किसी रबर प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से पहले आपने शायद ही सोचा होगा कि यह फील्ड इंजीनियरिंग की उन चुनिंदा ब्रांचेज में से एक है, जिन्हें इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी का भविष्य माना जाता है। गार्मेंट्स से लेकर टॉयज तक और फुटवियर से लेकर स्टेशनरी व एक्सेसरी तक आज हर चीज में रबर का इस्तेमाल किया जाता है। यही कारण है कि इस ब्रांच का स्कोप भी बहुत ज्यादा है। अगर आप भी इंजीनियरिंग करने की सोच रहे हैं, तो रबर टेक्नोलॉजी में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

क्या है रबर टेक्नोलॉजी?

रबर टेक्नोलॉजी विज्ञान की एक स्पेशलाइज्ड फील्ड है, जिसमें रबर के ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ इलास्टोमर्स को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। इसमें नेचुरल रबर, लेटेक्स और सिंथेटिक रबर की प्रोसेसिंग की जाती है और उनसे अलग-अलग उत्पाद बनाए जाते हैं। इस फील्ड को पॉलिमर टेक्नोलॉजी के लिए भी स्पेशलाइज्ड ब्रांच माना जाता है।

कौन-से कोर्स?

इस फील्ड में करियर प्लान करने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स जैसे विषय होने जरूरी हैं। इसके बाद आप बीटेक या बीई इन रबर टेक्नोलॉजी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रबर टेक्नोलॉजी, एमटेक या एमई इन रबर टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन रबर टेक्नोलॉजी और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मॉलिक्युलर साइंस एंड रबर टेक्नोलॉजी जैसे कोर्स कर सकते हैं।

कैसी है वर्क प्रोफाइल?

आप इस फील्ड से जुड़ी कंपनीज में इन पदों पर काम कर सकते हैं -

टेस्टिंग टेक्नोलॉजिस्ट या टेक्नीशियन - ये सिस्टम को एनालाइज करते हैं और प्रोडक्शन टेस्ट्स की मदद से यह देखते हैं कि इक्विपमेंट्स क्वॉलिटी कंट्रोल एरेना के हिसाब से ठीक काम कर रहे हैं या नहीं।

प्रोडक्शन इंजीनियर्स - इनका बेसिक काम प्रोडक्शन, प्रोडक्ट क्वॉलिटी, क्वॉन्टिटी, स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ ऑपरेशन और मेंटेनेंस का खयाल रखना होता है।

पॉलिमर स्पेशलिस्ट्स - इनका काम मटेरियल के गुणों और बनावट की डीटेल्स जानने के लिए रिसर्च करना है ताकि इसका इस्तेमाल नए प्रोडक्ट बनाने में किया जा सके।

मटेरियल टेक्नोलॉजिस्ट्स - ये वेयरहाउसिंग गतिविधियों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे शिपिंग एंड रिसीविंग, सामान के परिवहन का मैनेजमेंट आदि।

भविष्य की संभावनाएं

आप रबर इंडस्ट्री के साथ-साथ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में भी जॉब कर सकते हैं। इस फील्ड में सरकारी संस्थानों में भी काम करने के अवसर हैं। गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड रबर टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स को हायर करती है। इस फील्ड में विदेशों में जाकर रिसर्च करने का भी बहुत स्कोप है।

जरूरी स्किल्स

यह फील्ड उन लोगों के लिए है, जिन्हें टेक्नोलॉजी के साथ-साथ उन प्रणालियों में भी रुचि हो, जिनसे रबर की प्रोसेसिंग की जाती है। आपको मेन्युफैक्चरिंग प्रिंसिपल्स और टेक्निक्स की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा आपमें बेहतरीन लीडरशिप क्वॉलिटी, आत्मविश्वास, परिश्रमी रवैया और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी जरूरी हैं।

सैलरी कितनी?

इस फील्ड में शुरुआत 15 से 20 हजार रुपए की सैलरी से होती है। अनुभव प्राप्त करने के बाद आपका वार्षिक पैकेज 5-7 लाख रुपए के बीच होगा।

प्रमुख संस्थान

- गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, गांधीनगर
- इंडियन रबर इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई
- आईआईटी, खड़गपुर
- कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, केरल
- रबर रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, केरल
- मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता
- हरिशंकर सिंघानिया इलास्टोमर एंड टायर रिसर्च इंस्टीट्यूट, राजस्थान

क्या आप प्रोफेशनल कोर्स करना चाहते हैं

आज बारहवीं के बाद ही युवा कॅरियर निर्धारित करने लगे हैं। आज से कुछ सालों पहले तक यही सोच थी कि पहले पढ़ाई पूरी कर लें, बाद में नौकरी के बारे में सोचेंगे। अधिकतर स्टूडेंट्स यह सोचते हैं कि यदि परंपरागत प्रोफेशनल कोर्स जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए, सीएस आदि में एडमिशन नहीं मिल पाया तो उसके बाद प्रोफेशनल और एकेडमिक कोर्स में से क्या बेहतर होगा।

पहले ये सोचें

प्रोफेशनल कोर्स में जाने से पहले आपको कुछ सवालों के जवाब खुद तलाशनें होंगे। क्या आपको अपनी परिस्थितियों और पारिवारिक समस्याओं के चलते जॉब की सख्त आवश्यकता है? क्या आपका परिवार आर्थिक रूप से इतना सक्षम है कि प्रोफेशनल शिक्षा के खर्च का वहन कर सके? अधिकतर स्टूडेंट्स पारिवारिक और आर्थिक समस्याओं के चलते प्रोफेशनल कोर्स का चयन करते हैं, ताकि कुछ वर्षो की पढ़ाई करने के बाद नौकरी का बेहतर विकल्प मिल सके। लेकिन कुछ कोर्स की फीस काफी अधिक होती है। इस कारण आपके लिए बेहतर होगा कि कोर्स चुनने से पहले उसकी फीस, कैंपस प्लेसमेंट और घर की आर्थिक स्थिति से भलीभांति अवगत हो जाएं।

क्या है रूचि

कोई भी कोर्स खराब नहीं होता है, क्योंकि सभी क्षेत्रों में सभी तरह के लोगों की मांग रहती है। इस कारण सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें कि हमें यह कोर्स करना है। कोर्स का चयन करते समय कुछ बातों को ध्यान रखेंगे, तो आप सही और बेहतर कोर्स चुनने में सफल हो सकते हैं। सही कॅरियर चुनने से पहले आप अपनी रुचि, आर्थिक स्थिति और आनेवाले समय में इनकी मांगों को अवश्य देखें। अब कॅरियर के क्षेत्र में मिलने वाले अवसरों का वर्गीकरण कुछ इस तरह से हो गया है कि हर किसी के पास अपनी क्षमताओं, रुचियों व रुझानों के मुताबिक कई तरह के कॅरियर ऑप्शन हैं। प्रोफेशनल कोर्स ने छात्रों को ढेरों विकल्प दिए हैं।

पढ़ाई पहले

अक्सर स्टूडेंट्स किसी संस्थान में इस कारण एडमिशन ले लेते हैं कि उसका नाम काफी है। अन्य संस्थानों की अपेक्षा काफी पैसे भी देने के लिए राजी हो जाते हैं, लेकिन उन्हें पछतावा तब होता है, जब उस संस्थान में अपेक्षा के अनुरूप पढाई नहीं होती है। उस समय स्टूडेंट्स के पास कोई अन्य विकल्प नहीं होता है। आप यदि किसी संस्थान में किसी तरह का कोर्स करना चाहते हैं, तो सबसे पहले उस संस्थान के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। जानकारी प्राप्त करने का बेहतर तरीका यह है कि आप उस संस्थान में पढ रहे स्टूडेंट्स से पढ़ाई और फैकल्टी मेंबर्स के बारे में सही जानकारी लें। वहां के स्टूडेंट्स आपको सही बात बता देंगे। कुछ स्टूडेंट्स संस्थान के प्रोस्पेक्टस के आधार पर ही कैंपस प्लेसमेंट को सही मान लेते हैं। आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिछले वर्ष पास किए गए स्टूडेंट्स की संख्या और नौकरी प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर ही कोई निर्णय लें।

अगर आप खुद को काबिल समझते हैं, तो आगे बढ़कर इसका नमूना भी पेश करें। यह न सोचें कि आपकी काबिलियत के बारे में मैनेजमेंट को सपना आएगा और वह चलकर आपके पास आएगा।

जॉब के दौरान करना ही पड़ेगा चुनौतियों का सामना

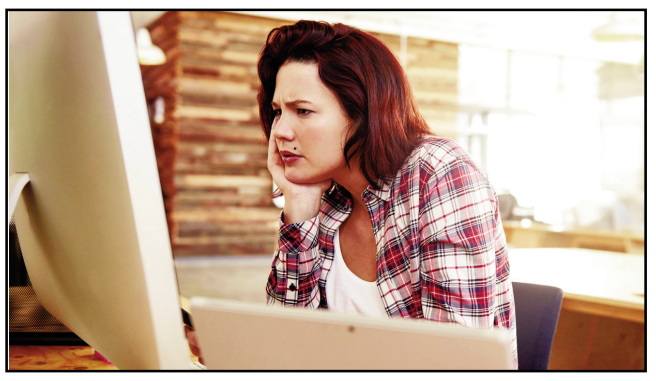

अनिकेत सक्सेना एक प्रतिष्ठित संस्थान में जिम्मेदार पद पर काम करता है। उसे संबंधित इंडस्ट्री में काम करते हुए दो दशक से ऊपर हो चुके हैं। इस दौरान एक- दो बार उसे पिंक स्लिप भी थमा दी गई। इससे उसे झटका तो लगा, पर उसने इसके पीछे के कारणों को जानने-समझने और उन्हें दूर करने की कभी परवाह नहीं की। एक बार नौकरी मिलने के बाद वह बस, मशीन की तरह काम करता जाता था। माना कि वह विनम्र और अनुशासित रहा है पर वह जिस तरह के पेशे में है, उसमें शायद ही वह कभी इनोवेटिव आइडियाज की पहल करता है। जबकि उसके प्रोफेशन में यह सबसे ज्यादा जरूरी होता है। वर्तमान संस्थान में नौकरी उसे काफी मशक्कत के बाद मिली, लेकिन यहां भी उसने खुद को साबित करने और अलग पहचान बनाने की दिशा में कोई खास प्रयास नहीं किया। यहां भी उसके सामने कई बार मुश्किलें आईं, पर उसने इन्हें समझने ओर खुद को सुधारने की जेहमत नहीं उठाई। हालांकि उसे लगता है कि वह बहुत काबिल है और इसके लिए उसे तरक्की भी मिलनी चाहिए, पर अपनी काबिलियत को दिखाने के लिए वह कभी टीम लीडर के रोल में आने की पहल नहीं करता। ऐसे में उसके सामने बार-बार मुश्किल आती है, पर वह कभी भी हकीकत को समझने के लिए तैयार नहीं होता।

अगर आपके साथ भी यही स्थिति है, तो समय रहते खुद को सुधार लें। इस मुगालते में न रहें कि आप बहुत प्रतिभावान हैं, बस बाकी लोग या मैनेजमेंट इसे समझना नहीं चाहते। अगर आप खुद को काबिल समझते हैं, तो आगे बढ़कर इसका नमूना भी पेश करें। यह न सोचें कि आपकी काबिलियत के बारे में मैनेजमेंट को सपना आएगा और वह चलकर आपके पास आएगा।

पहल के लिए रहें तत्पर

आज के समय में किसी भी संस्थान में मैनेजमेंट की निगाह में आप तभी आ सकते हैं, जब आप खुद को लीडर की भूमिका में पेश करेंगे। इसके लिए आपको खुद को सक्रिय भूमिका में लाना होगा। अगर आप मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं और अपनी तरफ से कोई नई पहल नहीं करते या अपनी टीम या विभाग के सदस्यों को उत्साहित नहीं कर पाते, तो आप इस भूमिका में नहीं आ सकते।

जगाएं आत्मविश्वास

टीम लीडर बनकर प्रमोशन और पहचान पाना चाहते हैं, तो खुद आगे बढ़कर नई चुनौतियों का सामना करने का साहस दिखाना होगा। इसके लिए सबसे पहले अपना आत्मविश्वास जगाना होगा और हर काम को पॉजिटिव नजरिए से पूरा करने के लिए दृढ़ता दिखानी होगी। कोई भी नया काम सामने आने पर अगर आप यह कहकर उसे करने से मना कर देंगे कि आपने तो कभी उस तरह का काम किया ही नहीं, तो यह आपके करियर के लिए नकारात्मक हो सकता है। इसके बजाय यह कहें कि यद्यपि मैंने यह काम नहीं किया है लेकिन मुझे मौका मिला, तो मैं इसे करने का पूरा प्रयास कर सकता हूं।

सीखें हर पल

आज के समय में आगे वही बढ़ता है, जो हर समय, हर किसी से कुछ-न-कुछ सीखने के लिए तत्पर रहता है। जिसने यह मान लिया कि वह तो सब कुछ जानता है, उसके लिए सीखने को कुछ बचा ही नहीं, उसके लिए तरक्की का रास्ता भी बंद हो जाता है। सब कुछ जानने की ठसक ही उसके आगे बढ़ने का मार्ग अवरुद्ध कर देती है। याद रखें, अगर आप अपने आंख, कान और दिमाग खुले रखेंगे, तो हमेशा कुछ-न-कुछ नया दिखेगा।

शिकायतों से बचें

कुछ लोगों को दूसरों से हमेशा शिकायतें रहती हैं। अपना काम अच्छी तरह से न कर पाने का ठीकरा भी वे दूसरों के सिर ही फोड़ना चाहते हैं। इससे बचकर रहें। ध्यान रखें, हमेशा आगे की ओर वही बढ़ता है, जो दूसरों को नहीं, खुद को देखता है। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर ध्यान देने के बजाय वह अपने काम को सही तरीके से करने का प्रयास करता है।

करें कुछ अलग

नौकरी के दौरान आठ घंटे का समय बिता देने से पहचान नहीं मिलती। पहचान मिलती है कुछ नया और इनोवेटिव करने से। अपने टैलेंट का विश्लेषण करें। इस बारे में सोचें कि आप क्या और कैसे नया कर सकते हैं। खुद को अपडेट करें, तराशें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम चीजों के बारे में जानें। थोड़े दिन के अभ्यास के बाद आपको हर दिन कुछ नया लगने लगेगा। एक बार यह आदत बन जाने के बाद आपको नया और चुनौतीपूर्ण करने में आनंद महसूस होने लगेगा।

थोक महंगाई 4 महीने के निचले स्तर पर, अगस्त में 1.31 फीसदी रही

नई दिल्ली । थोक महंगाई अगस्त महीने में 1.31 फीसदी पर आ गई है। ये इसके 4 महीने का निचला स्तर है। बताया जा रहा है कि रोजाना की जरूरत वाला सामान सस्ता होने से महंगाई में गिरावट देखी जा रही है। इससे पहले जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 फीसदी पर आ गई थी। जून में ये 3.36 फीसदी और मई में 2.61 फीसदी पर थी। वहीं अप्रैल में ये 1.26 फीसदी पर थी। इससे पहले 12 सितंबर को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। अगस्त महीने में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.65 फीसदी हो गई है। जुलाई महीने में ये 3.54 फीसदी पर थी। सब्जियों के महंगे होने से अगस्त महीने में रिटेल महंगाई बढ़ी है। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक भाव बहुत ज्यादा समय तक उच्च स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई पर लगाम लगा सकती है। जैसे कच्चा तेल ज्यादा महंगा होने की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। हाल ही में हुई मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग के दौरान आरबीआई ने इस वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई अनुमान को 4.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा था। आरबीआई गवर्नर ने कहा था- महंगाई कम हो रही है, लेकिन प्रोग्रेस धीमी और असमान है। भारत की महंगाई और ग्रोथ ट्रैजेक्टरी संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना महत्वपूर्ण है कि महंगाई टारगेट के अनुरूप हो।

एक्सिस बैंक ने 15 नये शहरों में संपत्ति प्रबंधन सेवाएं बढ़ाईं

नई दिल्ली । एक्सिस बैंक ने कहा कि उसका निजी बैंकिंग व्यवसाय बरगंडी प्राइवेट अपनी संपत्ति प्रबंधन सेवाओं का विस्तार 15 नए शहरों में करेगा। इसके साथ ही बरगंडी प्राइवेट की उपस्थिति देश के 42 स्थानों तक हो जाएगी। एक्सिस बैंक ने कहा कि इस रणनीतिक कदम के साथ बरगंडी प्राइवेट अब भारत के तेजी से विकसित हो रहे दूसरी श्रेणी के बाजारों में ग्राहकों की अनूठी जरूरतों के अनुसार अपनी संपत्ति प्रबंधन सेवाएं देगा। बयान के मुताबिक नए स्थानों में भुवनेश्वर, पटना, रायपुर, आगरा, गाजियाबाद, जोधपुर, उदयपुर, जालंधर, मेरठ, बेलगाम, कोझीकोड, तिरुवनंतपुरम, औरंगाबाद, नागपुर और गांधीधाम शामिल हैं।

मिंत्रा का बिग फैशन फेस्टिवल 26 सितंबर से

34 लाख ट्रेंड-फर्स्ट फेस्टिव फैशन स्टाइल होंगे उपलब्ध

बेंगलुरु । मिंत्रा ने बहुप्रतीक्षित बिग फैशन फेस्टिवल (बीएफएफ) की शुरुआत 26 सितंबर से होने जा रही है। इसका टाइटल स्पॉन्सर बोट है। इस फेस्टिवल में 34 लाख स्टाइल उपलब्ध होंगे जो पिछले संस्करण से 47 प्रतिशत अधिक है। इस इवेंट में 9,700 से अधिक घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय और देश में ही विकसित प्रमुख ब्रांड हिस्सा लेंगे। ग्राहकों के पास विभिन्न केटेगरी में विकल्पों का भंडार होगा। मिंत्रा के लॉयल्टी प्रोग्राम के सदस्यों यानि 'मिंत्रा इनसाइडर' के लिए बिग फैशन फेस्टिवल 24 घंटे पहले 25 सितंबर को ही शुरू हो जाएगा। इस साल का फेस्टिवल नई तरह की डीलों से भरपूर है जिससे ग्राहकों को काफी फायदा होगा। इसके अलावा बिग फैशन फेस्टिवल में ब्रांड ऑफ द डे की विशेष डील होगी जिसमें ग्राहक अभूतपूर्व कीमत पर अपने पसंदीदा ब्रांड के सलेक्शन से खरीदारी कर सकेंगे। सबसे किफायती डील में से एक है 'बाय 1 गेट 4', एक अद्वितीय अवसर जिसमें ग्राहक अपनी दिली संतुष्टि के हिसाब से खरीदारी कर त्योहारी मौसम के लिए अपने कपड़ों का कलेक्शन तैयार कर सकते हैं।

रुपया डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 पर पहुंचा

- गवर्नर बोले-आरबीआई की नीति रुपए में अस्थिरता को रोकना है

नई दिल्ली।

डॉलर के मुकाबले रुपया उभरकर आया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के मुताबिक केंद्रीय बैंक की नीति रुपए में अस्थिरता को रोकना है। उन्होंने रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि स्थिर रुपया बाजार में निवेशकों में भरोसा पैदा करता है और इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद मिलती है। आरबीआई फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपए को स्थिर रखने के लिए कार्य करता रहता है। इसके लिए जरूरत पड़ने पर सरकारी बैंकों के जरिए अमेरिकी डॉलर की भी बिक्री की जाती है। इससे पहले ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्म जेफरीज की ओर से एक नोट जारी किया गया था, जिसमें बताया कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में रुपया दुनिया की सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक है। मार्केट समीक्षक ने कहा कि रुपए के स्थिर रहने की वजह डॉलर का कमजोर होना है, जिस कारण रुपया में डॉलर के मुकाबले मामूली कमी आई है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट जतिन त्रिवेदी ने कहा कि बाजार का ध्यान अब अमेरिकी फेड की बैठक पर है। इसमें ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की जा सकती है। ब्याज दरों में कटौती होने की ज्यादा संभावना की वजह अमेरिका का खराब जॉब डेटा है, जिसमें जॉबलेस क्लेम की संख्या बढ़कर 2,30,000 हो गई है, जो कि 2,28,000 आने की उम्मीद थी। मंगलवार के शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 2 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 पर कारोबार कर रहा था। मार्केट विशेषज्ञ के मुताबिक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया स्थिर रहने की उम्मीद है। 83.80 से लेकर 83.70 एक अहम सपोर्ट लेवल है। वहीं, 84.05 से लेकर 84.15 एक अहम रुकावट का स्तर है।

मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा एक लाख के पार

मुंबई ।

इस साल सितंबर महीने में मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा एक लाख से अधिक हो गया है, जो पिछले साल की तुलना में काफी तेजी दिखाता है। 2023 में यह आंकड़ा अक्टूबर के ओ खिर तक पहुंचा था, जबकि इस वर्ष सितंबर के मध्य में ही प्रॉपर्टी बिक्री ने 1 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। मुंबई प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन विभाग के अनुसार 16 सितंबर तक 1.03 लाख से अधिक प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में करीब 90 हजार घरों की बिक्री हुई थी। 2023 के जनवरी से सितंबर तक की तुलना में इस साल 10 हजार से अधिक घरों की बिक्री हुई है। खास बात यह है कि सितंबर 2024 में अब तक 5,962 घरों की बिक्री हो चुकी है, जिससे सरकार को 957 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। मुंबई में प्रॉपर्टी बाजार की यह तेजी इस बात की ओर इशारा करती है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में गतिविधियां तेज हो रही हैं और लोगों की घर खरीदने की रुचि बढ़ रही है।

सब्जियों की कीमतों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली । भारत में इस साल अब तक लंबी अवधि के औसत से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। जिससे आने वाले समय में सब्जियों और दूध की औसत खुदरा कीमतों में गिरावट आ सकती है। यह जानकारी हाल ही जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि अब बुआई करीब पूरी हो चुकी है। अब फोकस फसल कटाई सीजन की तरफ शिफ्ट हो गया है। इस साल 6 सितंबर तक कुल 109.2 मिलियन हेक्टेयर्स क्षेत्र में बुआई हुई है और इसमें पिछले साल के मुकाबले सालाना आधार पर 2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस सीजन में सभी मुख्य फसलों की अच्छी बुआई देखने को मिली है। चावल की 41 मिलियन हेक्टेयर्स, दालों की 12.6 मिलियन हेक्टेयर्स, मोटे अनाज की 18.9 मिलियन हेक्टेयर्स और तिलहन की 19.2 मिलियन हेक्टेयर्स में बुआई हुई है। बुआई का कुल क्षेत्रफल सामान्य बुआई क्षेत्रफल का 99 प्रतिशत है, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत था। रिपोर्ट में बताया गया कि अधिक आपूर्ति होने के कारण कीमतों में हाल में कमी देखने को मिली और कीमतें कुछ समय के लिए यहां स्थिर रह सकती हैं, जब तक बाजार में नई आपूर्ति नहीं आ जाती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेज के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबार दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.88 अंक करीब 0.11 फीसदी ऊपर आकर 83,079.66 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 34.80 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी बढ़कर 25,418.55 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ पर बंद हुए। भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एमएंडएम, टाइटन और एलएंडटी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, बजाज फाइनैंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, रिलायंस और इंफोसिस के शेयर भी उछले। वहीं दूसरी ओर 15 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्यू स्टील, आईटीसी और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, मारुति, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, नेस्ले इंडिया और एक्सिस बैंक के शेयर भी नीचे आये। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान के निक्केई इंडेक्स में 2.06 फीसदी और शंघाई कंपोजिट में 0.48 फीसदी की गिरावट

रही। टोक्यो, बैंकॉक और शंघाई बाजार लाल निशान में हैं। वहीं हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 1.50 फीसदी की गिरावट आई। गत दिवस अमेरिकी बाजार मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बाजार कारोबारी सत्र में करीब सपाट स्तर पर खुला। सभी मुख्य सूचकांकों में एक सीमित दायरे में कारोबार हो रहा था। बीएसई का सेंसेक्स 78 अंक की गिरावट के साथ 82,909 और निफ्टी 12 अंक या 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,370 पर कारोबार कर रहा था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी सपाट कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 7 की मामूली गिरावट के साथ 60,252 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 5.90 अंक की मामूली बढ़त के साथ 19,543 पर था

महिंद्रा की नजर छोटे व्यावसायिक वाहनों पर

नई दिल्ली ।

वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम) की नजर अपने शहरी समृद्धि प्लेटफॉर्म (यूपीपी) पर तैयार की गई वीरो की पेशकश के साथ 3.5 टन से छोटे वाणिज्यिक वाहन (एससीवी) बाजार पर दबदबा हासिल करने पर है। कंपनी इसे डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक जैसी बहु ईंधन विकल्पों में पेश करेगी। कंपनी ने पहले ही संकेत दिया था कि वह अपने हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) पोर्टफोलियो को महत्त्वपूर्ण तरीके से बढ़ाने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य साल 2030 तक सात नए मॉडल बाजार में उतारने का है। आने वाली एससीवी से इंट्रासिटी लॉजिस्टिक्स जरूरतों जैसी समस्याओं का समाधान होगा और इसमें इलेक्ट्रिक वाहन समेत विभिन्न ईंधन विकल्प भी शामिल होंगे और इन सभी वाहनों की वजन सीमा 3.5 टन रहेगी। एमएंडएम ने शुरुआती स्तर पर 7.99 लाख रुपये की वीरो पेश की है, जो फिलहाल डीजल और सीएनजी वेरियंट में मिल रही है और आने वाले समय में इसका इलेक्ट्रिक मॉडल भी पेश किया जाएगा। एमएंडएम वाहन खंड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यूपीपी एक बहु ईंधन प्लेटफॉर्म है, जिसे मॉड्यूलर वाणिज्यिक वाहन प्लेटफॉर्म के तौर पर बनाया गया है। इसे कई डेक के साथ एक से दो टन तक भार उठाने और कई पावरट्रेन विकल्पों को समायोजित

करने के लिहाज से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने प्लेटफॉर्म और वीरो को विकसित करने के लिए 900 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अधिक उत्पाद जोड़ने पर और अधिक निवेश की जरूरत होगी ताकि जरूरत पड़ने पर उत्पादन बढ़ाया जा सके। मगर उन्होंने यह भी कहा कि निवेश का एक बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है।

स्पाइसजेट के क्यूआईपी को जोरदार रिस्पांस, 3000 करोड़ के ऑफर

नई दिल्ली । एविएशन सेक्टर की कंपनी स्पाइसजेट को क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) को जोरदार रिस्पांस मिला है। निवेशकों ने इस पर भरोसा जताया है। क्यूआईपी के लिए 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऑफर मिले हैं। कंपनी की ग्रोथ स्टारी बेहतर नजर आ रही है. सूत्रों के अनुसार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संस्थागत निवेशकों दोनों का ही विशेष ध्यान है। म्यूचुअल फंड, एफआईआईएस भाग लेंगे। क्यूआईपी ओवरसब्सक्रिप्शन बाजार के भरोसे का संकेत देता है। क्यूआईपी को मिली मजबूत प्रतिक्रिया स्पाइसजेट की मजबूत बाजार प्रतिष्ठा और उद्योग चुनौतियों से निपटने और अपनी परिचालन क्षमताओं का विस्तार करने की इसकी क्षमता में निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है। क्यूआईपी से मिली रकम का उपयोग स्ट्रैटजिक ग्रोथ के लिए किया जाएगा।

मानसून सीजन ने सितंबर में गिराई डीजल की मांग, 12.3 फीसदी घटी बिक्री

नई दिल्ली ।

राज्यों के रिटेल विक्रेताओं की डीजल बिक्री सितंबर के पहले पखवाड़े में पिछले महीने की तुलना में कम हो गई। शुरुआती बिक्री डेटा के अनुसार मानसून की बारिश ने औद्योगिक गतिविधि और आवाजाही को प्रभावित किया। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता भारत में ईंधन की मांग आमतौर पर जून से शुरू होने वाले चार महीने के मानसून सीजन के दौरान कम हो जाती है क्योंकि देश के कुछ हिस्से भारी बाढ़ से प्रभावित होते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य के खुदरा विक्रेताओं ने सितंबर की पहली छमाही में 2.4 मिलियन मीट्रिक टन डीजल बेचा, जो अगस्त की समान अवधि से 4 प्रतिशत कम और एक साल पहले की तुलना में 12.3 प्रतिशत कम है। डीजल का उपयोग ज्यादातर ट्रकों और वाणिज्यिक वाहनों द्वारा किया जाता है। मुख्य रूप से यात्री वाहनों में उपयोग होने वाले गैसोलीन की बिक्री 1.23 मिलियन टन पर स्थिर रही। हालाँकि, आंकड़ों से पता चलता है कि गैसोलीन की बिक्री पिछले साल पहली सितंबर से 5.1 प्रतिशत कम थी।

गतिशीलता को सीमित करने के अलावा मानसून की बारिश ने कृषि क्षेत्र की मांग को भी प्रभावित किया है क्योंकि किसान सिंचाई के लिए गैसोइल से चलने वाले जनरेटर का उपयोग करते हैं। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में गैसोइल की खपत सीधे औद्योगिक गतिविधि से जुड़ी हुई है। राज्य के खुदरा विक्रेताओं इंडियन ऑयल कॉर्प, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड के पास देश के लगभग 90 प्रतिशत खुदरा ईंधन आउटलेट हैं। चार राज्य ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने सितंबर की पहली छमाही में 1.32 मिलियन टन तरलीकृत पेट्रोलियम गैस बेची, जो पिछले महीने से 3.3 प्रतिशत अधिक और पिछले वर्ष से 2.9 प्रतिशत कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि विमानन ईंधन की बिक्री पिछले महीने से 1.1 प्रतिशत कम होकर 303,600 टन रही।

निवेश किए 20 हजार बन गए करोड़पति! एक साल में 53 हजार फीसदी चढ़ा शेयर

नई दिल्ली।

टीवी इंडस्ट्री की एक कंपनी ने निवेशकों को बना दिया करोड़पति। इस स्टॉक ने निवेशकों को एक साल मालामाल कर दिया है। यह स्टॉक एक साल में करोड़पति बना चुका है। यह कंपनी श्री अधिकारी ब्रदर्स के नाम से जानी जाती है, जिसने इस अवधि के दौरान 53,050 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने से यह स्टॉक हर दिन अपर सर्किट लगा रहा है। विगत शुक्रवार को भी इसके शेयर अपर सर्किट पर थे, जो करीब दो फीसदी चढ़कर 690.95 रुपये पर बंद हुए। एक महीने में इस शेयर ने करीब 49 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले पांच दिन में इस शेयर में आठ फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी आई। वहीं छह महीने में यह शेयर 1500 फीसदी चढ़ गए है। कंपनी ने जनवरी से लेकर अभी तक निवेशकों को 23,725.86 फीसदी का रिटर्न दिया है। लगातार सर्किट लगाने के कारण इसके सर्किट लिमिट को एक सचेंजों ने घटाकर दो फीसदी कर दिया है, जिसका मतलब है कि एक दिन में यह शेयर दो फीसदी से ज्यादा नहीं चढ़ सकेंगे और ना ही बढ़ सकते हैं। लिमिट तय होने के बाद भी श्री अधिकारी ब्रदर्स के शेयर पर अपर सर्किट लगने का सिलसिला जारी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये शेयर हाई रिस्क वाला हो सकता है, क्योंकि ये छोटी कंपनी का शेयर है। ऐसे कंपनियों का मार्केट वैल्यू बहुत कम होता है, जिस कारण बड़े निवेशकों के लिए इस शेयर को गिराना और चढ़ाना आसान होता है। इस कारण सावधानी से ऐसे शेयरों में निवेश करना चाहिए, वरना आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है. श्री अधिकारी ब्रदर्स टेलीविजन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड एक भारतीय टेलीविजन नेटवर्क कंपनी है जिसका मुख्यालय मुंबई में है। 90 के दशक में श्री अधिकारी ब्रदर्स ने दूरदर्शन, स्टार प्लस और अन्य टेलीविजन चैनलों से टीवी धारावाहिकों का निर्माण शुरू किया था। 1999 में, सब टीवी नाम से हिंदी कॉमेडी चैनल शुरू किया लेकिन 6 साल बाद इसे सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया को बेच दिया था। अब कंपनी हिंदी संगीत और व्यंग्य चैनल के रूप में अपना दूसरा चैनल मस्ती चलाती है।

हॉनर 200 लाइट 5जी की लॉन्च डेट का ऐलान

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी ऑनर ने अपने नए स्मार्टफोन हॉनर 200 लाइट 5जी की लॉन्च डेट का ऐलान कर दिया है। अमेज़न पर फोन का टीज़र जारी किया गया है, जिसमें इसके कई फीचर्स का खुलासा हो चुका है।

भारत में यह फोन 19 सितंबर को दोपहर 12 बजे लॉन्च किया जाएगा। फोन का डिजाइन काफी स्लीक और हल्का है, जिसकी मोटाई 6.78 एमएम और वजन 166जी है। यह स्मार्टफोन तीन कलर ऑप्शन- स्टारी ब्लू, सियान लेक और मिडलाइन ब्लैक में उपलब्ध होगा। हॉनर 200 लाइट 5जी की सबसे बड़ी खासियत इसका कैमरा है। इसमें 108 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा एफ/1.75 अपर्चर के साथ दिया गया है। इसके अलावा डेप्थ सेंसर और मैक्रो लेंस भी होगा, जो एफ /2.2 और एफ/2.4 अपर्चर के साथ आएगा। सेल्फी के लिए 50 मेगापिक्सल का वाइड-एंगल फ्रंट कैमरा दिया जाएगा।हॉनर 200 लाइट 5जी को एसजीएस की 5-स्टार ड्रॉप रेजिस्टेंस रेटिंग भी मिली है। यह फोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6080 प्रोसेसर पर काम करेगा और इसमें 4,500 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 35वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी। यह फोन पहले से ही ग्लोबल मार्केट में लॉन्च हो चुका है, जहां इसके फीचर्स की काफी सराहना की गई है।

हॉनर 200 लाइट 5जी का मुकाबला मिड-रेंज सेगमेंट में अन्य 5जी स्मार्टफोन्स से होगा। फोन पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के लिए बेहतरीन माना जा रहा है। फोन में 6.7 इंच का फुल एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले होगा, जो बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देगा। यह स्मार्टफोन एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड मैजिक ह्स 8 पर काम करेगा, जिससे यूजर्स को लेटेस्ट सॉफ्टवेयर एक्सपीरियंस मिलेगा। इसकी सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए इसमें साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर भी दिया गया है।

जिंदल ग्रुप ने किया ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश के लिए साझेदारी का ऐलान

नई दिल्ली।

जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और जिंदल रिन्यूएबल्स की ओर से हाल ही में ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश के लिए साझेदारी का ऐलान किया गया। देश की स्टील इंडस्ट्री में दोनों कंपनियों की ओर से डी-कार्बोनाइजेशन और ग्रीन एनर्जी में लीडरशीप के लिए यह एमओयू साइन किया है। जिंदल स्टील की योजना ग्रीन हाइड्रोजन को ओडिशा के अंगुल में स्थित उसके डायरेक्ट रेड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) यूनिट्स में एकीकृत करना है।कंपनी की ओर से कहा गया कि पहले चरण में जिंदल रिन्यूएबल्स की ओर से 4,500 टन प्रति वर्ष की ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित की जाएगी। इसे शुरू करने की डेडलाइन दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। इस प्रोजेक्ट में प्रति वर्ष 36,000 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति भी शामिल होगी जिसका उपयोग अंगुल स्टील वर्क्स में किया जाएगा। जिंदल रिन्यूएबल्स की ओर से जिंदल स्टील यूनिट्स को 3 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी की भी आपूर्ति की जाएगी। इसके जरिए जिंदल

स्टील की कोशिश अगले 2 से 3 वर्षों में कोयले पर निर्भरता को 50 प्रतिशत तक घटाना है। जिंदल स्टील के स्ट्रेटजी और कॉरपोरेट मामलों के एक अे धिकारी ने कहा कि उत्पादन के प्रोसेस में ग्रीन एनर्जी और ग्रीन हाइड्रोजन का एकीकरण करके हम न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम कर रहे हैं, बल्कि भारत की स्टील इंडस्ट्री के लिए नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं।

भारत ने पांचवीं बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब जीता, चीन को फाइनल में 1-0 से हराया

बीजिंग (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी खिताब जीत लिया है। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में मेजबान चीन को 1-0 से हराकर रिकार्ड पांचवीं बार ये खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में लीग स्तर से लेकर फाइनल तक के सभी मैच जीते हैं। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से मैच का एकमात्र विजयी गोल 67 वें मिनट में जुगराज सिंह ने किया। भारतीय टीम ने इस जीत के साथ बार फिर साबित कर दिया है कि वह एशिया की नंबर एक टीम है। भारतीय टीम चीन के खिलाफ मुकाबले में पूरे समय हावी रही।

दोनो ही टीमें तीन क्वार्टर तक बराबरी पर रहीं पर चौथे क्वार्टर के 7वें मिनट में जुगराज सिंह ने शानदार गोल दागकर भारत को बढ़त दिला दी जो अंत तक बनी रही। इसके बाद चौथे क्वार्टर के बचे हुए समय में टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने चीन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

पहले क्वार्टर का खेल बराबरी पर रहा। पहले क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने कई हमले किये पर चीन के डिफेंडर और गोलकीपर ने शानदार खेल दिखाते हुए उसे गोल में नहीं बदलने दिया।

दूसरे क्वार्टर के खेल में भी दोनो ही टीमें बराबरी पर रहीं। दूसरे क्वार्टर में चीन ने भी कुछ अच्छे हमले किये। इसी प्रकार तीसरा क्वार्टर भी गोलरहित रहा। इस मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी चीन का समर्थन करते हुए चीनी झंडे के साथ नजर आये पर भारतीय टीम की जीत उसे इरादों पर पानी फिर गया।

केएल राहुल को मौका मिलेगा या नहीं, रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से पहले दिया जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। अपने कैरियर में अनिरंतरता के कारण अक्सर आलोचना झेलने वाले केएल राहुल का बचाव करते हुए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उन्हें 'स्पष्ट संदेश' दे दिया गया है जिससे उन्हें टेस्ट क्रिकेट में अपने करियर को आगे ले जाने में मदद मिलेगी। राहुल ने 2023 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक जमाया और इस साल हैदराबाद में इंग्लैंड के खिलाफ 86 रन की पारी खेली। इससे पहले दो साल तक हालांकि वह 12 पारियों में एक ही अर्धशतक बना सके थे।

रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट से पहले कहा, 'आपको पता है कि केएल में क्या खूबी है, सभी को पता है। हमने उसे साफ संदेश दिया है कि हम चाहते हैं कि वह सारे मैच खेले। हम उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चाहते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी भी है कि उससे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा सकें।'

उन्होंने कहा, 'उसने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक बनाया और हैदराबाद में पहले टेस्ट में 80 से ऊपर स्कोर किया। इसके बाद वह चोट के कारण नहीं खेल सका लेकिन उम्मीद है कि वह उस लय को कायम रखेगा।% रोहित ने कहा, 'वह स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों को बखूबी खेलता है। इसमें कोई शक नहीं कि वह टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करेगा। उसके पास अब मौका है।'

आईसीसी का बड़ा ऐलान, विश्व कप में पुरुषों और महिलाओं को मिलेगी समान पुरस्कार राशि

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को घोषणा की कि विश्व कप में अब पुरुषों और महिलाओं को समान पुरस्कार राशि दी जाएगी जिसकी शुरुआत अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले महिला टी20 विश्व कप से होगी।

आईसीसी के बयान के अनुसार महिला टी20 विश्व कप में विजेता बनने वाली टीम को अब 23 लाख 40 हजार अमेरिकी डालर मिलेंगे। ऑस्ट्रेलिया को पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में खेले गए महिला टी20 विश्व कप जीतने पर 10 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी। इस तरह से इसमें 134 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारतीय पुरुष टीम को इस साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप का विजेता बनने पर 23 लाख 40 हजार अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी।

आईसीसी ने कहा, 'आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 पहला आईसीसी टूर्नामेंट होगा जिसमें महिलाओं को पुरुषों के समान पुरस्कार राशि मिलेगी जो इस खेल के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।' बयान के अनुसार, 'यह फैसला जुलाई 2023 में आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में लिया गया जब आईसीसी बोर्ड ने अपने 2030 के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से सात साल पहले पुरस्कार राशि समान करने का निर्णय किया। इस तरह से क्रिकेट पहला प्रमुख खेल बन गया है जिसमें विश्व कप में पुरुषों और महिलाओं के लिए समान पुरस्कार राशि है।' महिला टी20 विश्व कप तीन अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होगा।

भारत के खिलाफ खेलना सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है : बांग्लादेश कोच

चेन्नई (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघा का मानना है कि क्रिकेट की महाशक्ति भारत के खिलाफ खेलने से उनकी टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी स्थिति का उचित मूल्यांकन मिलेगा। हथुरुसिंघा ने मंगलवार को यहां कहा कि उनकी टीम गुरुवार से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ चुनौती का लुत्फ उठाने के लिए उत्सुक है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से जीत दर्ज की है।

उन्होंने शान मसूद की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम को शुरुआती मुकाबले में 10 जबकि दूसरे मैच में छह विकेट से हराया था। बांग्लादेश की टीम आत्मविश्वास से भरी है लेकिन विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की तालिका में शीर्ष पर काबिज भारत से उसे पाकिस्तान के मुकाबले काफी मजबूत चुनौती मिलने की उम्मीद है। श्रीलंका के पूर्व हरफनमौला हथुरुसिंघा ने कहा, 'हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ खेलने से प्रोत्साहन मिलता है। भारत आकर उनके खिलाफ खेलना आजकल सबसे अच्छी चुनौती है। सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ खेलने से आपको हमेशा यह पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं। एक खिलाड़ी के रूप में आप हमेशा ऐसे मौके की खोज में रहते हैं।'

हथुरुसिंघा को पिछले साल की शुरुआत में बांग्लादेश का कोच नियुक्त किया गया था। हथुरुसिंघा से मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में जीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है लेकिन उसे अपनी खामियों के बारे में पता है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान पर जीत के कारण इस श्रृंखला से पहले हमारा मनोबल काफी बढ़ा है। उस श्रृंखला के हमने जिस तरह का प्रदर्शन किया और पिछड़ने के बाद जिस तरह से वापसी की वह शानदार रहा। इससे टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।''

उन्होंने कहा, 'भारत के खिलाफ खेलते समय एक अलग तरह का दबाव होता है। हम समझते हैं कि हम कहां खड़े हैं, हम टीम के मजबूत पक्ष और कमजोर कड़ी के बारे में जानते हैं।' बांग्लादेश की टीम में आठ विशेषज्ञ बल्लेबाज, छह गेंदबाज और दो हरफनमौला खिलाड़ी शामिल हैं। हथुरुसिंघा ने इसे देश की 'सबसे संपूर्ण'' टीम करार दिया। उन्होंने कहा, 'यह शायद बांग्लादेश की सबसे संपूर्ण टीम है। हमने बहुत सारी खामियां दूर की हैं और हमारे पास तेज गेंदबाजी में भी बहुत सारे विकल्प है।''

बांग्लादेश के कोच ने कहा, 'हमारे पास एक अनुभवी स्पिन आक्रमण भी है, इसके अलावा हमारी बल्लेबाजी में भी काफी गहराई है। हमारे दो स्पिनरों के नाम टेस्ट में शतक भी है, ऐसे में उनके पास बल्लेबाजी की अच्छी क्षमता है। यह सब हमारी टीम को आत्मविश्वास के साथ-साथ एक शानदार संतुलन भी देता है।' बांग्लादेश को इस श्रृंखला में शाकिब अल हसन, मुश्फिकुर रहीम और मेहदी हसन मिराज जैसे दिग्गजों की सेवाएं मिलती रहेंगी। शाकिब ने पाकिस्तान में सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं मुश्फिकुर श्रृंखला में टीम के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे, जबकि मिराज उनके शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। हथुरुसिंघा ने कहा, 'शाकिब ने हमेशा बांग्लादेश क्रिकेट में अहम भूमिका निभाई है। उनका हरफनमौला खेल टीम को संतुलन प्रदान करता है। वह अच्छी बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं।' हथुरुसिंघा ने चेन्नई की लाल मिट्टी वाली पिच के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उम्मीद है कि यह पिच सभी के लिए मददगार होगी।

सहवाग का रिकार्ड तोड़ने रोहित को चाहिये आठ छक्के, दो शतक लगाते ही पूरे होंगे 50 शतक

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर गुरुवार से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। रोहित दो टेस्ट मैचों की सीरीज में कुछ बड़े रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। रोहित के नाम टेस्ट मैचों में 84 छक्के हैं और इस प्रकार वह विश्व के शीर्ष छह छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में 11वें स्थान पर हैं। उन्हें वीरेंद्र सहवाग के 91 छक्कों का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल आठ और छक्के चाहिये। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के नाम 131, न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम के नाम 107 और ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट के नाम 100 छक्के हैं। अगर रोहित इन दो मैचों में लगातार छक्के लगाते हैं, तो वह टेस्ट मैचों में 100 छक्के लगाने वाले चौथे और पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन सकते हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का अर्धशतक लगाने के लिए दो शतक और चाहिये। अभी 483 मैचों में उनके नाम 48 शतक हैं। 50 शतक बनाते ही वह यहां तक पहुंचने वाले केवल तीसरे भारतीय बल्लेबाज और ये ये उपलब्धि हासिल करने वाले कुल 10वें खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी भारत से केवल सचिन तेंदुलकर के नाम 100 शतक जबकि विराट कोहली के 80 शतक हैं।

धोनी के बनाये रिकार्ड आज भी बरकरार

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकॉर्ड है। धोनी के बनाये ये रिकार्ड तोड़ना किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद कठिन है। वर्तमान समय में कोई भी क्रिकेटर इन रिकार्डों के करीब भी नहीं पहुंचा है। इससे तय है कि अगले काफी साल तक ये बने रहेंगे। धोनी ने बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। उन्होंने भारत की ओर से तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कप्तान के तौर पर 332 मैच खेले हैं। इसके अलावा धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने साल 2016 में ऑस्ट्रेलिया में एक सीरीज के सभी मैच जीते थे। सातवें नंबर पर उतरकर सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड धोनी के नाम पर है। उन्होंने सातवें नंबर पर उतकर सबसे अधिक 2 शतक लगाये हैं। धोनी आईसीसी की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले विश्व के एकमात्र कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2007 में टी20 विश्व कप जीता जबकि 2011 में एकदिवसीय विश्व व साल 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती। धोनी के नाम एकदिवसीय में बतौर विकेटकीपर सबसे बड़ी पारी खेलने का भी विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने 31 अक्टूबर 2005 में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में नाबाद 183 रन बनाए थे। धोनी के नाम क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में छठे या उससे निचले क्रम पर उतरकर 10, 000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनो प्रारुपों टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 में सबसे अधिक स्टंपिंग का भी रिकॉर्ड है। उन्होंने 608 पारियों में स्टंपिंग कर 195 खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा है। धोनी विश्व के इकलौते कप्तान हैं जिन्होंने छक्का जड़कर अपनी टीम को विश्वकप जिताया था।

अमेरिका का ऑलराउंड प्रदर्शन, विश्वकप लीग 2 एकदिवसीय मैच में नामीबिया को हराया

विंडहोक (एजेंसी)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद कप्तान मोनांक पटेल (72) और साई तेजा एम (नाबाद 59) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर अमेरिका ने सोमवार को विश्वकप लीग 2 एकदिवसीय मुकाबले नामीबिया को सात विकेट से हरा दिया है।

200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 57 के स्कोर पर अपने दो विकेट खो दिए थे। स्मित पटेल (9) और सुशांत मोदानी (36) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मोनांक पटेल ने साई तेजा एम ने मोर्चा संभाला और अपनी टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। मोनांक पटेल (72) रन बनाकर आउट हुए। साई तेजा एम (नाबाद 59) और शयन जहांगीर (नाबाद 21) ने अमेरिकी टीम को 41.3 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बनाकर सात विकेट से जीत दिला दी। नामीबिया की ओर से एराड इरास्मस ने दो विकेट लिए। तांगेनी लूंगामेनी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेरिका की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिए। माइकल वैन लिंगेन (5) और जेपी कट्जी (8) रन बनाकर आउट हुए। यान फायलिंक और कप्तान एराड इरास्मस ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट लिये 75 रन जोड़े। यान फायलिंक (70) और एराड इरास्मस (27) बनाकर आउट हुये। अमेरिकी गेंदबाजों के आगे नामीबिया का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। जेजे स्मिट ने (49) और निकोल लॉफ्टी-ईटन (17) रनों की पारी खेली। नामीबिया ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट पर 199 का स्कोर खड़ा किया। अमेरिका की ओर से

सौरभ नेत्रवलकर, हुवानॉय ड्राइसडेल और मिलिंद कुमार ने दो-दो विकेट लिए। जसदीप सिंह, नॉस्थुश केनजिगे और हरमित सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पाकिस्तान में चैंपियंस कप के दौरान प्रशंसक ने लहरायी विराट की जर्सी

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक दुनिया भर में फैले हैं। यहां तक की पड़ौसी देश पाकिस्तान में भी विराट के प्रशंसकों की अच्छी खासी तादाद है। इसी में से एक प्रशंसक ने एकदिवसीय टूर्नामेंट चैंपियंस कप में विराट के 18 नंबर वाली जर्सी लहरायी। विराट 18 नंबर की जर्सी पहन कर ही भारतीय टीम से खेलते हैं। मारखोर्स और स्टालियंस के बीच मुकाबले के दौरान विराट के इस प्रशंसक ने जर्सी लहरायी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अगले कुछ महीने घर पर और बाहर लगातार खेलने वाली है। अक्टूबर में घर पर इंग्लैंड के खिलाफ 3 टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पाकिस्तान को 3 एकदिवसीय और 3 टी20 मैच खेलना है। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबला आईसीसी या फिर एसीसी टूर्नामेंट में ही देखने को मिलता है! दोनों टीमों की टक्कर के अलावा पाक टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और विराट कोहली को लेकर भी काफी बातें की जाती है! कई लोग बाबर की तुलना विराट से करते हैं। पाकिस्तान के ही कई ऐसे प्रशंसक हैं जो अपनी टीम का समर्थन तो करते हैं पर विराट को बाबर से बेहतर मानने में पीछे नहीं रहते। पाक में बाबर आजम के प्रशंसकों की कमी नही है लेकिन विराट को पसंद करने वालों की भी कमी नहीं.

मुझे मोहम्मद सिराज के साथ लड़ाई करना अच्छा लगता है : ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

स्पोर्ट्स डेस्क - ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मार्नस लाबुशेन ने बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की प्रशंसा की है। नवंबर 2024 में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में दोनों खिलाड़ी अपनी टीमों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे क्योंकि भारत ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। लाबुशेन ने सिराज के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर बात करते हुए कहा, 'मुझे मोहम्मद सिराज के साथ लड़ाई करना अच्छा लगता है। हम पहली बार तब मिले थे जब वह MRF पेस अकादमी के साथ काम कर रहे थे, और यह देखना बहुत अच्छा रहा कि तब से हमारे करियर में किस तरह से प्रगति हुई है।' ' लाबुशेन ने मैदान पर सिराज के जुनून और ऊर्जा की प्रशंसा की, और बताया कि एक क्रिकेटर के रूप में वह कितना विकसित हुआ है। उन्होंने कहा, 'वह खेल के प्रति बहुत ऊर्जा और प्यार लेकर आता है। उसे विकसित होते देखना रोमांचक है।' सिराज ने भारत के लिए 27 टेस्ट मैच खेलते हुए 74 विकेट लिए हैं, आगामी श्रृंखला में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी होने की उम्मीद है। वह पहली बार 19 सितंबर को चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान एक्शन में दिखाई देंगे। इसी के साथ ही सिराज और लाबुशेन बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी कर रहे हैं, ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिया कि टीम पिछले सीजन के अपने शीर्ष छह बल्लेबाजों को बरकरार रख सकती है, जिसमें लैबुशेन, उस्मान ख्वाजा और स्टीव स्मिथ शामिल हैं। जबकि स्मिथ की सलामी बल्लेबाज के रूप में स्थिति के बारे में कुछ बहस हुई है, ग्रीन, हेड और मिशेल मार्श के साथ टीम में उनका स्थान सुरक्षित लगता है। भारत ने लगभग एक दशक तक टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया पर अपना दबदबा बनाए रखा है, 2014-15 सीजन से मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियंस के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अजेय रहा है, जब वे 0-2 से हार गए थे। उस हार के बाद से भारत ने लगातार चार सीरीज जीती हैं जिसमें 2016-17 में घर पर और 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में। हाल ही में उन्होंने 2022-23 में एक और घरेलू जीत हासिल की। ??उल्लेखनीय रूप से ये सभी सीरीज जीत 2-1 के अंतर से आई हैं।

संतोष कश्यप बने भारतीय महिला फुटबॉल टीम के नये मुख्य कोच, प्रिया पीवी सहायक, प्रवीन गोलकीपिंग कोच होंगे

नई दिल्ली । संतोष कश्यप भारतीय महिला फुटबॉल टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने संतोष को सीनियर महिला फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच बनाये जाने की घोषणा की है। कश्यप के साथ ही प्रिया पीवी को सहायक कोच जबकि रघुवीर प्रवीन खानोलकर गोलकीपिंग कोच होंगे। वहीं कोच बनाये जाने से उत्साहित कश्यप ने कहा, राष्ट्रीय टीम का कोच बनान सम्मान की बात होती है। मैं ये अवसर दिये जाने के लिए महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे, तकनीकी समिति, तकनीकी विभाग और महासंघ के अन्य वरिष्ठ सदस्यों का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा। संतोष भारतीय टीम के पूर्व फुटबॉलर हैं। खेल से संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर खेल से जुड़े रहे। उनके पास करीब एक दशक का कोचिंग अनुभव है। वह मोहन बागान एसी, आइजॉल एफसी, मुंबई एफसी, सलगांवकर एफसी, रॉयल जैसे कई टीमों से भी जुड़े थे। इसके अलावा नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और हाल ही में ओडिशा एफसी के सहायक कोच भी रहे हैं। वह अभी ओडिशा एफसी में यूथ डेवलपमेंट हेड और तकनीकी निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम में काफी अच्छे और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर टीम को तकनीकी रूप से सुधार करना होगा। उन्होंने साथ हीकहा, पिछले एसएएफएफ चैंपियनशिप के परिणाम अच्छे नहीं रहे थे, लेकिन इस बार सही रणनीति, सही सोच और निर्णय लेने की क्षमता के साथ हम खिताब वापस जीत सकते हैं।

नेट्स पर संघर्ष करते दिखे यशस्वी जायसवाल, बाएं हाथ के बल्लेबाज की कोहली और गंभीर ने की मदद

चेन्नई (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच चेन्नई के प्रतिष्ठित एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पूर्व भारतीय टीम ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा ले रही है और रविवार को सत्र के दौरान यशस्वी जायसवाल नेट पर संघर्ष करते दिखे। इसके बाद उन्हें पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने युवा खिलाड़ी को फिर से लय में लाने में मदद की।

एक रिपोर्ट के अनुसार कोहली एमए चिदंबरम स्टेडियम के सेंटर-स्क्वायर के पास खड़े होकर बल्लेबाजी करने की अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, जहां यह घटना हुई। जसप्रीत बुमराह ने जायसवाल के मिडिल स्टंप को उड़ा दिया क्योंकि वह गेंद को पढ़ने में नाकाम रहे और बल्लेबाज के बल्ले और पैड के बीच से निकल गई। बुमराह जैसी पीढ़ी की प्रतिभा के सामने आउट होना कोई असाधारण बात नहीं है, लेकिन करिश्माई तेज गेंदबाज के खिलाफ उनका बार-बार संघर्ष कोहली की नजर में आ गया जिसके बाद पूर्व कप्तान ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया।

इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह थी कि इंडिया ए और इंडिया बी के बीच दलीप ट्रॉफी 2024 के मुकाबले में जायसवाल को परेशान करने वाले आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और जम्मू-कश्मीर के नेट गेंदबाज युद्धवीर सिंह जैसे दूसरे तेज गेंदबाज़ भी मुंबई के बल्लेबाज के सामने ज्यादा मजबूत नजर आए। कोहली के साथ थोड़ी देर की बातचीत के बाद जायसवाल फिर से बल्लेबाजी करने के लिए लौटे, लेकिन उनका संघर्ष जारी रहा।

भारत के अब तक के सबसे बेहतरीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों में से एक गंभीर ने कदम बढ़ाया और जायसवाल को 20 मिनट के प्रशिक्षण सत्र के लिए नेट्स क्षेत्र में ले गए, जहां उन्होंने थ्रो डाउन का सामना किया जिसमें गेंदों की लाइन के पीछे जाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान जायसवाल ने 712 रन बनाए। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनका प्रदर्शन शांत रहा और 2024 के टी20 विश्व कप में वे पूरी तरह बेंच पर बैठे रहे। शीर्ष क्रम में जायसवाल का फॉर्म काफी महत्वपूर्ण होने वाला है, क्योंकि भारत को अगले कुछ महीनों में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं जिसमें नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली हाई-वोल्टेज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी शामिल है। हालांकि अच्छी बात यह है कि रिपोर्ट बताती है कि जायसवाल ने स्पिनरों के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और उन्हें ऑन-साइड पर बड़े छक्के लगाने पर मजबूर कर दिया।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल सूरत जिले में ऑलपाड ग्राम पंचायत से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का उद्घाटन करते हुए

सूरत । 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री, गांधीजी को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से राज्य सहित पूरे भारत में च्स्वच्छता ही सेवा -2024ज् अभियान चलाया गया है. मुकेशभाई पटेल ने सूरत जिले के ऑलपाड से च्स्वच्छता ही सेवाज् अभियान की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाई.

नेहरू युवा केंद्र और मेरा युवा भारत के स्वयंसेवकों, पदाधिकारियों और अधिकारियों ने वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल के साथ सफाई अभियान के तहत ऑलपाड मार्केट की सफाई की। उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता की शपथ ली।

इस मौके पर मंत्री श्री मुकेश भाई पटेल ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी का जन्मदिन है और आज से 2 अक्टूबर तक देश में स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा. इसे च्स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छताज् की थीम के साथ डेढ़ महीने तक जनभागीदारी के साथ मनाया जाएगा। सफाई अभियान एक जन आंदोलन है जिसमें हम सभी को योगदान देना होगा। अभियान की शुरुआत अपने घर से ही करनी होगी.

उन्होंने आगे कहा कि प्लास्टिक की जगह कपड़े के थैले का इस्तेमाल करना चाहिए. निकट भविष्य में ऑलपैड, कीम और सायन में वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी, जिसमें आपको 5 रुपए में कपड़े का बैग मिलेगा। मंत्री ने लोगों से केवल कपड़े के थैले का उपयोग करने और अभियान में शामिल होने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष भवानीबेन पटेल, जि. विकास अधिकारी शिवानी गोयल, जिला ग्राम विकास एजेंसी के निदेशक एमबी प्रजापति, प्रांतीय अधिकारी पार्थ तलसानिया, जिला पंचायत अध्यक्ष नीताबेन पटेल, जिला विकास अधिकारी हार्दिक गडवी, नेता ब्रिजेशभाई पटेल, अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति अभियान में शामिल हुए।

राज्य के प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाने और विभिन्न योजनाओं का व्यक्तिगत लाभ घर बैठे प्राप्त करने के उद्देश्य से वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल की अध्यक्षता में कुडियाना में सेवा सेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया. अल्पाड तालुक का गाँव. जिसमें 22 गांवों के लोगों ने विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया। साथ ही मौके पर ही विभिन्न लाभुकों को मंत्री के हाथों लाभ का वितरण किया गया.

इस मौके पर च्सेवा सेतुज् के बारे में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि सेवा सेतु कार्यक्रम में लोगों को 56 सेवाओं का लाभ उनके घर तक पहुंचाया जाता है. उन्होंने कहा कि अल्पाड़ के कोसंबा और भडोल में भी सेवा सेतु की व्यवस्था की जायेगी, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

सुरत भुमि, सूरत। शहर में जन मंगल कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गणेश विसर्जन में जाने वाले श्रद्धालुओं को शरबत वितरण किया गया।

डभोली में विश्वकर्मा पूजा के चलते कथा आयोजित हुई

सुरत भुमि, सूरत। डभोली गांव के घनश्याम नगर सोसायटी स्थित श्रीराम फेब्रिकेशन के संचालक राजूभाई शाह के यहां भगवान विश्वकर्मा पूजा के उपलक्ष्य में कथा का आयोजन किया गया था इस अवसर पर पंकज शाह ने विश्वकर्मा भगवान के बारे में जानकारी दी ।कथा के दौरान अतिथि विशेष के तौर पर बिहार विकास मंडल के अध्यक्ष प्रभुनाथ प्रसाद यादव, विजय सिंह, युवा समाज सेवी आदीत्य उपाध्याय, अशोक वर्मा,राजेश सोनी,चंदन व्यास, मनीष पटेल, रमेश कुशवाहा, विकास भाई तथा दयाशंकर कुशवाहा समेत अन्य महानुभाव उपस्थित थे।

श्री ऊमरवैश्य समाज सेवा समिति द्वारा गणेश विसर्जन

सूरत भूमि, सूरत।

श्री ऊमरवैश्य समाज सेवा समिति ट्रस्ट सूरत शहर द्धारा गणेश विसर्जन के पावन दिन पर गणेश भक्तों के लिये सूर्यमुखी हनुमान मंदिर डिंडोली पर सुबह 10ः00 बजे शाम के 7ः00 बजे तक नाश्ता कराया गया जिसमें चने के छोले की व्यवस्था की गयी थी आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन भी केक काट कर धूमधाम से मनाया गाया इस कार्यक्रम में श्रद्धा फायर एण्ड सेफ्टी कंपनी द्वारा विशेष सहयोग दिया था समाज के बहुत सारे गणमान्य लोग उपस्थित थे ऊमर वैश्य समाज सेवा समिति ट्रस्ट सूरत के अध्यक्ष हरिकेश उर्फ पप्पू जी कार्यकारी अध्यक्ष शिवकुमार जी तथा महामंत्री श्री गणेश जी, रविन्द्र जी, बृजेश जी, महेश जी , कमलाशंकर जी, अशोक जी ,शेषनरायन जी सोशल मीडिया प्रभारी पवन जी, संतोष जी गौरबारी वाले, राजेश जी बादशाहपुर वाले, अरविंद उर्फ राजू जी,शुभम जी, आनन्द जी, अजीत जी, हर्षित जी शौर्य जी, सुरेश जी उधना वाले,अभय, कोषाध्यक्ष संतोष जी जामताली वाले मुरारी उर्फ मन्नू जी,महेशजी चिलबिला वाले, इस कार्यक्रम में सभी दानदाताओं के प्रति राष्ट्रीय ऊमरवैश्य समाज के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष जी ने आभार व्यक्त किया ।

पुनः निवेश 2024 - गुजरात ने प्रमुख उद्योग जगत के नेताओं और शोधकर्ताओं के साथ ग्रीन हाइड्रोजन एजेंडा चलाया

गांधीनगर । नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार ने 16 से 18 सितंबर, 2024 तक गांधीनगर के महात्मा मंदिर में ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) के चौथे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। गुजरात। इस प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन का मुख्य आकर्षण गुजरात में ग्रीन जॉब्स के माध्यम से ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन में तेजी लाने पर सीईओ गोलमेज चर्चा थी, जो 16 सितंबर को दोपहर 2 बजे आयोजित की गई थी। यह महत्वपूर्ण सत्र भारत के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन में योगदान देने के अपने प्रयासों के तहत गुजरात सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।

गुजरात लंबे समय से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सबसे आगे रहा है और हरित हाइड्रोजन क्रांति में सबसे आगे रहा है। राज्य में हाइड्रोजन की महत्वपूर्ण घरेलू मांग है और आपूर्ति के मामले में गहरी संसाधन क्षमता है, जैसे कि मजबूत आरई क्षमता, समर्पित ट्रांसमिशन कॉरिडोर और हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए विशाल भूमि।

इस गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता गुजरात सरकार के ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आईएएस श्री एसजे हैदर ने की। चर्चा का मुख्य फोकस हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र को चलाने के लिए गुजरात की रणनीतिक पहल पर था, राज्य सरकार का लक्ष्य प्रति वर्ष 3 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटीपीए) हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। सत्र में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की गुजरात की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

गोलमेज बैठक की शुरुआत एक मजबूत हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए गुजरात की प्रतिबद्धता की जोरदार पुनरावृत्ति के साथ हुई। एक जानकारीपूर्ण ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति ने इस क्षेत्र में गुजरात की मजबूत क्षमता को प्रदर्शित किया, जिसमें गुजरात को हरित हाइड्रोजन उत्पादन में अग्रणी के रूप में स्थापित करने के लिए पहले से ही की गई पहलों पर प्रकाश डाला गया।

"भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा में सबसे आगे रहने वाले राज्य के रूप में, गुजरात हरित हाइड्रोजन बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सीईओ गोलमेज सम्मेलन राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उद्योग के नेताओं और हितधारकों के साथ सहयोग करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। नवीकरणीय ऊर्जा और औद्योगिक क्षमता में गुजरात की रणनीतिक प्रगति का लाभ उठाते हुए, हमारा लक्ष्य राज्य को हरित हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात में वैश्विक नेता बनाना हैज्, गुजरात सरकार के ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, आईएएस श्री एसजे हैदर ने कहा।

ग्रीन हाइड्रोजन संगठन के निदेशक श्री निशांत बालाशनमुगम द्वारा संचालित इस गोलमेज चर्चा में हरित हाइड्रोजन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। रेन्यू, हिजेंको, गोयनका ग्रुप और केपीएमजी जैसी शीर्ष कंपनियों के उद्योग जगत के नेताओं ने हरित हाइड्रोजन की लागत, औद्योगिक समूहों के रणनीतिक लाभों और हाइड्रोजन शिपिंग की लॉजिस्टिक चुनौतियों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड ने जुटाए 103.12 करोड़ रुपये

मुंबई। सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड (SCSL) ने 1531 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर इक्विटी शेयरों के प्रेफेरेंशियल अलॉटमेंट के माध्यम से 103.12 करोड़ रुपये की फंड जुटाने की घोषणा की है। यह कंपनी की स्ट्रेटेजिक और ऑपरेशन में अपने इन्वेस्टर्स के विश्वास और भरोसे को मजबूत करता है।

इस रकम का उपयोग सिस्टमेटिक्स के अलग अलग बिज़नेस वर्टिकल्स में स्ट्रेटेजिक इनिशियेटिव के लिए किया जाएगा, जिसमें केटेगरी I और केटेगरी III के दो ऑल्टर्नेट इनवेस्टमेंट फंड्स (AIFs) की शुरुआत, मार्जिन ट्रेडिंग बुक का विस्तार, वेल्थ मैनेजमेंट को मजबूत करने, इन्स्टिट्यूशन संस्थागत और एचएनआई/ रिटेल ब्रोकिंग डिवीजन का विस्तार और आईबी एवं ईसीएम बिज़नेस की ग्रोथ को तेज करना शामिल है।

SYSTEMATIX GROUP
Investments Re-defined

बेलग्रेव इन्वेस्टमेंट फंड, श्री मधुकर चिमनलाल शेठ, ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, श्री सिद्धार्थ अय्यर, निखिल वोरा एचयूएफ, कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, स्काई हॉक वेंचर्स, को प्रेफेरेंशियल शेयर अलॉट किए जाएंगे।

सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड (SCSL) के प्रबंध निदेशक श्री निखिल खंडेलवाल ने कहा, "इस फंड का जुटाया जाना हमारे विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह हमें अपनी विकास पहलों को तेज करने और एक प्रशंसित भारतीय वित्तीय सेवा कंपनी बनाने के हमारे इरादे को और मजबूती देता है। सिस्टमेटिक्स ईसीएम और आईबी में अपनी क्षमताओं को बदलने के साथ ही पीएमएस और ब्रोकरेज व्यवसायों की वृद्धि को तेज कर रही है। ऑल्टर्नेट इनवेस्टमेंट फंड्स (AIFs) और वेल्थ मैनेजमेंट की नई विकास पहलों का फायदा मिलने में सक्षम है। यह हमारे कॉर्पोरेट क्लाइंट्स के "लाइफसाइकल पार्टनर" होने के हमारे प्रिंसिपल से मेल खाता है।"

श्वेत क्रांति और शहद क्रांति के बाद, गुजरात अब सौर क्रांति का गवाह बन रहा है: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

गांधीनगर। "यह वास्तव में एक सुखद संयोग है कि गुजरात जिसने श्वेत क्रांति और शहद क्रांति देखी है, अब ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट और एक्सपो के चौथे संस्करण में सौर क्रांति का गवाह बन रहा है। गुजरात भारत में अपनी सौर नीति अपनाने वाला पहला राज्य था, सौर ऊर्जा पर राष्ट्रीय नीतियां बाद में आईं। गुजरात जलवायु मामलों का मंत्रालय स्थापित करने में दुनिया में अग्रणी बन गया है।"

गुजरात के गांधीनगर में महात्मा मंदिर में ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो (री-इन्वेस्ट) के चौथे संस्करण में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात की ऐसी कई उपलब्धियों का वर्णन किया। तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत की 200 गीगावॉट से अधिक स्थापित गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता की महत्वपूर्ण उपलब्धि की सराहना की गई। श्री मोदी ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों, स्टार्टअप और अग्रणी औद्योगिक कंपनियों के अत्याधुनिक नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी दौरा किया।

इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा के मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि "हरित भविष्य, नेट शून्य" जैसे शब्द फैंसी शब्द नहीं हैं, बल्कि भारत की केंद्र सरकार और प्रत्येक राज्य सरकार की जरूरतें और प्रतिबद्धताएं हैं। आज भारत न केवल वर्तमान बल्कि अगले हजारों वर्षों की नींव रख रहा है। तेल-गैस भंडार की कमी के कारण, भारत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, परमाणु और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर अपना भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पेरिस में निर्धारित जलवायु प्रतिबद्धताओं को हासिल करने वाला पहला ज20 देश बन गया है और वह भी अपनी निर्धारित समय सीमा से 9 साल पहले। श्री मोदी ने 2030 तक 500 मेगावाट

नवीकरणीय ऊर्जा हासिल करने का देश का लक्ष्य प्रस्तुत किया और कहा कि सरकार ने हरित परिवर्तन को एक जन आंदोलन में बदल दिया है। उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का अध्ययन करने का सुझाव दिया, जो छत पर सौर ऊर्जा के लिए भारत की अनूठी योजना है, जिसमें सरकार हर घर को सौर छत लगाने के लिए धन देती है और स्थापना में मदद करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना से भारत के हर घर में बिजली पैदा हो रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 1.30 करोड़ से अधिक परिवारों ने पंजीकरण कराया है और अब तक 3.25 लाख घरों में इंस्टॉलेशन का काम पूरा हो चुका है.

'मोढेरा', जहां सदियों पुराना सूर्य मंदिर है और जो अब भारत का पहला सौर गांव है, पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने बताया कि आज गांव की सभी जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी होती हैं। उन्होंने कहा कि आज देशभर में ऐसे अनेक गांवों को सोलर विलेज में बदलने का अभियान चल रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत ने परमाणु ऊर्जा से पहले की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक बिजली पैदा की है और भारत हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने का प्रयास कर रहा है। श्री मोदी ने लगभग रु. खर्च किये हैं 20,000 करोड़ रुपये के "ग्रीन हाइड्रोजन मिशन" पर जोर दिया गया। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण से संबंधित बेहतर प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए स्टार्ट-अप को वित्तपोषण सहायता के साथ एक परिपत्र दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रही है।

महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए, श्री मोदी ने कहा कि सरकार पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण से संबंधित बेहतर प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए स्टार्ट-अप को ऋण सहायता के साथ एक परिपत्र दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रही है।

इस अवसर पर गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र भाई पटेल ने कहा कि "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के निर्देशन में गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन गया है। हरित स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को साकार करने के लिए गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा नीति और हरित हाइड्रोजन नीति के साथ हरित भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है।"

उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित ऊर्जा क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान 54 प्रतिशत है और रूफटॉप सोलर में गुजरात अग्रणी है। राज्य की 1,600 किमी लंबी तटरेखा के साथ 32 से 35 गीगावॉट अपतटीय पवन ऊर्जा उत्पादन की क्षमता का उल्लेख करते हुए, श्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने कहा कि विभिन्न बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक सुविधाओं और व्यापार अनुकूल नीतियों के साथ, गुजरात ऊर्जा में निवेश के लिए एक पसंदीदा स्थान बन गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)